



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 17 अक्टूबर 2026

VISIT:

www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 344 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रविता-अमरदीप को फांसी

● मेरठ में 3 दिन में 4 को मौत की सजा

एजेंसी

मेरठ (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात निवासी अमित कश्यप उर्फ मिक्की कश्यप हत्याकांड में अदालत ने उसकी पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इस चर्चित 'सर्पदंश हत्याकांड' में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-12) जयवीर सिंह नागर की अदालत ने बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दोनों को हत्या और साक्ष्य मिटाने के जुर्म में दोषी करार दिया है। इस सनसनीखेज फैसले के दौरान न्यायाधीश की टिप्पणियां और मामले की खोफनाक परतें हर किसी को हैरान कर रही हैं।

अदालत कक्ष में जब यह फैसला सुनाया जा रहा था, तब माहौल बेहद गंभीर था। सजा का एलान करने से पहले न्यायाधीश



जयवीर सिंह नागर ने प्राचीन ग्रंथों और भारतीय संस्कृति का हवाला दिया। उन्होंने 'मनुस्मृति'

का जिक्र करते हुए कड़े शब्दों में कहा कि 'अधर्म कभी भी धर्म से नहीं जीत सकता'। इतना ही

नहीं, न्यायाधीश ने पौराणिक प्रसंग का उदाहरण देते हुए महान भारतीय नारी 'सावित्री' का जिक्र किया, जो अपने पति के प्राण बचाने के लिए यमराज तक से भिड़ गई थीं और अपने सतित्व के बल पर उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था। इसके विपरीत, इस मामले में एक पत्नी ने अपने ही सुहाग की जीवन-लीला समाप्त करने के लिए खोफनाक साजिश रची। न्याय की इस अनूठी मिसाल और दलील ने कोर्ट रूम में मौजूद हर शख्स को सोचने पर मजबूर कर दिया।

बिस्तर पर मिला था शव, नीचे दबा था जिंदा सांप

यह पूरी खोफनाक वारदात 13 अप्रैल 2025 की सुबह सामने आई थी। अमित कश्यप उर्फ मिक्की कश्यप का शव उसके अपने ही बिस्तर पर सदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। उसके शव के ठीक नीचे एक जिंदा घोड़ा पछाड़ सांप दबा हुआ था। अमित के शरीर पर सांप के काटने के करीब 10 निशान भी पाए गए थे। शुरुआत में शातिर पत्नी रविता ने परिवारवालों और ग्रामीणों को यह यकीन दिलाने की पूरी कोशिश की कि अमित की मौत सोते समय जहरीले सांप के काटने से हुई है। शुरुआती दौर में किसी को शक भी नहीं हुआ और परिजनों ने भी इसे एक सामान्य हादसा मान लिया था।

रिजीम चेंज वाले बयान पर किरन रिजिजू का हमला

‘दुश्मन को एक बार माफ करो, दोस्त को दो बार, गद्दार को कभी नहीं’

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने 'रिजीम चेंज' की वकालत करने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे गद्दारों को कभी माफ न करें। यह बयान वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के सरकार बदलने वाले बयान पर छिड़े सियासी विवाद के बीच आया है। किरन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'प्यारे देशभक्त भारतीयों, याद रखें, 'अपने दुश्मनों को एक बार माफ करो, दोस्तों को दो बार, लेकिन गद्दारों को कभी नहीं'। केंद्रीय मंत्री का यह बयान तब आया, जब उन्होंने प्रशांत भूषण की प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने खुलेआम 'रिजीम चेंज' की मांग को स्वीकार किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भूषण ने कहा था, 'हां, हम



रिजीम चेंज चाहते हैं।' इससे पहले रिजिजू ने भूषण के 2011 के कश्मीर वाले बयान का वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था, 'आगर कश्मीरी लोग अलग होना चाहते हैं, तो उन्हें अलग होने दें। एक अन्य पोस्ट में रिजिजू ने इस सियासी लड़ाई को तीखे शब्दों में बताया और संविधान का समर्थन करने वालों और अराजकता फैलाने वालों के बीच फर्क बताया। रिजिजू ने एक्स पोस्ट में लिखा था, 'लड़ाई की रेखा खिंच गई है। यह दिमागी नक्सल बनाम देशभक्त भारतीय है।' इस पूरे मामले ने 'रिजीम चेंज' की मांग के अर्थ और असर को लेकर सियासी बहस छेड़ दी है। सत्ताधारी पार्टी के नेताओं ने विपक्ष और प्रदर्शन के आयोजकों पर सरकार को अस्थिर करने की कोशिश का आरोप लगाया है।

‘त्यक्ति को खत्म किया जा सकता है पर उसकी विचारधारा नहीं’, अकाल तख्त ने परविंदर सिंह झोटा को दिया ‘शहीद’ का दर्जा

● झोटा को मिला सिख समुदाय के शहीद का दर्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के मानसा के एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा को सिख समुदाय के शहीद का दर्जा दिया गया है। अकाल तख्त के जथेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। परविंदर सिंह झोटा की इस हफ्ते की शुरुआत में हत्या कर दी गई थी। न्यूज एजेंसी मुताबिक, ज्ञानी गरगज और तख्त श्री दमदमा साहिब के जथेदार ज्ञानी टेक सिंह शुक्रवार को मानसा पहुंचे, ताकि वे शोक संतप्त परिवार से मिल सकें और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर सकें। इस दौरान जथेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने परविंदर सिंह झोटा को सिख समुदाय के शहीद का दर्जा दिया। एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार को मानसा के एक बिजो बिजार में एक मैडिकल स्टोर मालिक ने गोली मारकर हत्या कर दी। स्टोर मालिक अश्वनी कुमार ने एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट



युवा इस की ओवरडोज का शिकार हो रहे- जथेदार

परविंदर पर गोली चलाई थी, जब वह उससे एक बड़े व्यक्ति को नशीली दवा बेचने के बारे में सवाल-जवाब कर रहा था। बाद में अश्वनी कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। जथेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह ने परविंदर की याद में अरदास (सिख प्रार्थना) की। उनके पिता भीम सिंह, परिवार के अन्य लोगों और संगत इस प्रार्थना में शामिल हुए। अरदास के दौरान अकाल तख्त के जथेदारों ने कहा कि पंजाब के युवा इस की ओवरडोज का शिकार हो रहे हैं, जबकि जो लोग इस के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें गोलियों से मार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भाई परविंदर सिंह झोटा ने नशे की समस्या के खिलाफ लड़ते हुए शहादत प्राप्त की। उन्होंने कहा कि भाई परविंदर सिंह द्वारा शुरू किए गए एंटी-ड्रग अभियान को और साथ ही न्याय के संघर्ष को ताकत और सफलता मिले, ताकि नशे के कारोबार को खत्म किया जा सके।

पंजाब की आआपा सरकार नशा माफिया के खिलाफ करे निर्णायक कार्रवाई: नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब में बढ़ते नशे के संकेत और हालिया हत्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए नशा माफिया के खिलाफ निर्णायक कार्रवाइयों करने की मांग की। नितिन नवीन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि पंजाब में नशे का संकेत चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के महज दो दिन बाद गुरदासपुर में 40 वर्षीय क्रिमिनी सिंह की हत्या की घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुंबई में मिलेंगे रूबियो और जयशंकर यूपी में आंधी-बारिश, राजस्थान में ओले भी गिरे

● यूएई के विदेश मंत्री भी आएंगे ● एमईए ने बताया- कार्यक्रम में क्या होगा खास?

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 20 अक्टूबर 2026 को मुंबई में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी। जयशंकर इस दौरान अमेरिका की स्वतंत्रता के 250 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में वह मुख्य अतिथि होंगे।

यूएई के विदेश मंत्री का भारत दौरा कब होगा?

वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन

जायद अल नाहयान 19 और 20 अक्टूबर को मुंबई के आधिकारिक दौर पर रहेंगे। इस



दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर उनकी मेजबानी करेंगे। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब जयशंकर 20 अक्टूबर को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ भी बातचीत करेंगे।

रूबियो के मुंबई दौरे पर राहुल का तंज, बोले- आखिर ये चल क्या रहा है

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की आगामी भारत यात्रा के दौरान मुंबई में राजनीतिक नेतृत्व की बजाय 'भारत सरकार के अधिकारियों' से होने वाली असामान्य मुलाकात को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया है और कहा है कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी इससे उत्पन्न हैं कि आखिर ये क्या हो रहा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मिस्टर रूबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई बुलाया है। मोदी जी, विदेश मंत्रालय में आपके अधिकारी उत्पन्न हैं कि आखिर चल क्या रहा है। बेहतर होगा कि आप ही समझा दें। या फिर, अगर आप चाहें तो मैं भी समझा सकता हूँ। राहुल गांधी की यह टिप्पणी भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो मुंबई में भारत सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपी में शुक्रवार सुबह से आगरा, मथुरा और हाथरस समेत 5 शहरों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम खराब होने के चलते मथुरा के सभी स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। मौसम विभाग ने आज 37 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से मौसम बदल गया है। गुरुवार को 7 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश और ओले गिरने से तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। आज भी 7 जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। उत्तराखंड के 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को केदारनाथ, चोपता, हेमकुंड साहिब और बद्रीनाथ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। शुक्रवार सुबह केदारनाथ में

तापमान -6°C और बद्रीनाथ में -5°C दर्ज किया गया। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के बाद अब पछुआ हवा चल रही



है। राज्य के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 17 और 18 अक्टूबर को उत्तर बिहार के कुछ इलाकों में बूदाबूदी हो

सकती है। मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। इनके असर से अगले 4 दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रहेगा। ग्वालियर, श्यापुर, भिंड, मुरैना और शिवपुरी में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

ग्वालियर-शिवपुरी समेत 5 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। इस वजह से अगले 4 दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रहेगा।

एफएसएसएआई: बिगबास्केट, फिलपकार्ट, जेमिनी एडिबल्स को भ्रामक दावों पर नोटिस जारी

दावों में 'खराब कोलेस्ट्रॉल कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखता/बढ़ाता है' शामिल था।

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने भ्रामक स्वास्थ्य दावों के लिए बड़ी कार्रवाई की है। उसने हैदराबाद स्थित जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड, बिगबास्केट और फिलपकार्ट को नोटिस जारी किए हैं। यह नोटिस राइस ब्रान



तेल की बिक्री से जुड़े गलत विज्ञापनों को लेकर दिए गए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के

माध्यम से यह जानकारी दी। नोटिस 'फ़्रीडम कुकिंग राइस ब्रान ऑयल' उत्पाद के भ्रामक दावों के संबंध में जारी हुए हैं। इस उत्पाद का प्रचार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर किया जा रहा था। दावों में 'खराब कोलेस्ट्रॉल कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखता/बढ़ाता है' शामिल था। साथ ही, '10,000+ पीपीएम नेचुरल ओरिजिनल' का दावा भी किया गया था। नियामक ने पाया कि कोलेस्ट्रॉल और हृदय-स्वास्थ्य संबंधी ये दावे विज्ञापन और

दावा विनियम, 2018 के तहत अनुमत नहीं थे। जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया अपनी ई-कॉमर्स वेबसाइट के माध्यम से खाद्य उत्पाद बेच रही थी। कंपनी के पास ई-कॉमर्स गतिविधि के लिए वैध केंद्रीय लाइसेंस नहीं था। इन खाद्य कारोबार संचालकों (एफबीओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उनसे पूछा गया है कि एफएसएसएआई विनियम, 2006 के तहत उन पर कार्रवाई क्यों न की जाए।

एजेंसी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। ये सभी मंदिर दर्शन को जा रहे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की मृतकों की पहचान करने में जुट गई है। मुख्य विकास अधिकारी निशा ग्रेवाल ने बताया कि यह हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर डिबाई तहसील के नरौरा थाना क्षेत्र रतनपुर के पास में हुआ। कासगंज जिले के सिद्धपुरा का रहने वाला



परिवार वैन कार में बैठकर बुलंदशहर जिले में नरौरा के पास बेलोन गांव में सर्वमंगला माता (बेलोन माता) के दर्शन के लिए जा रहे थे। जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर डिबाई तहसील के नरौरा थाना क्षेत्र रतनपुर के पास तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। अगला हिस्सा दो फीट पिचक गया। लोग अंदर ही फंस गए। पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला और सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें हायर मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया गया।

पांचवें नवरात्रे तक 2.23 लाख

श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के किए दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। जारी नवरात्रों के दौरान हर दिन मां भगवती के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं में उछाल देखने को मिल रहा है। वैष्णो देवी भवन सहित यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योड़ी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पहले पांच नवरात्रों के दौरान 2,23,657 श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी भवन पर मां भगवती की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। इन श्रद्धालुओं को सुविधाएं देने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सी.आर.पी.एफ. की 6 बटालियन और जिला प्रशसन हरसंभव प्रयास कर रहा है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से मिले आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पहले नवरात्र पर 47374, दूसरे नवरात्र पर 48280, तीसरे नवरात्र पर 46449 और चौथे नवरात्र यानी बुधवार को 41863 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दरबार में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था, तो वहीं गुरुवार सुबह से ही वैष्णो देवी यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योड़ी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। गुरुवार रात 10 बजे तक 39,691 श्रद्धालुओं ने आर.एफ.आई.डी. कार्ड लेकर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि जारी नवरात्रों के दौरान करीब 4 लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी भवन पर नमन करेंगे।

पंजाब में बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि पार्टी किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव मैदान में उतरेगी। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने दावा किया कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। पायलट के मुताबिक, चुनाव में जनादेश मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं की राय ली जाएगी। इसके बाद राज्य के नेतृत्व पर निर्णय होगा। उन्होंने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगत सिंह को टीम को साथ लेकर चलने वाला कप्तान बताते हुए कहा कि चुनाव में सफलता के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का योगदान जरूरी है। सचिन पायलट ने चुनावी मुकामले की तुलना क्रिकेट से करते हुए कहा कि जीत के इरादे से मैदान में उतरने वाली टीम के लिए लक्ष्य हासिल करना संभव है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस के पास मजबूत संगठन तथा चुनाव जीतने की क्षमता है।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर निशाना : मतदाता सूची के जरिए साजिश का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग (ईसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चुनाव आयोग के माध्यम से एक बड़ी साजिश रच रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि वे सीधे चुनावी मुकामले में जीत नहीं सकते। लखनऊ में प्रेसवार्ता को संबोधित कर अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में बार-बार होने वाले संशोधनों की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से केवल एक बार संशोधन करने की मांग की, न कि बार-बार करते रहने की। उन्होंने कहा, चूंकि आपने पूरी तैयारी के साथ विशेष पुनरीक्षण (एसएसआर) का फैसला लिया है, तब इस अंतिम नामांकन तक इस्तरह ही रहने दें। सपा प्रमुख यादव ने कटाक्ष कर कहा, जब उनकी कोई भी योजना काम नहीं आई, तब अब वे एसएसआर का सहारा ले रहे हैं, और अगर आप एसएसआर को उल्टा कर दें, तब आरएसएस बन जाता है! सपा प्रमुख ने अधिकारियों पर मतदाता सूची में लगातार संशोधन करने का दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना पंजीकरण वाले, अंधेरी सुरंगों में रहने वाले और नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति जानते हैं कि अब सीधा मुकामला संभव नहीं है, इसलिए वे चुनाव आयोग के जरिए यह साजिश रच रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर चिंता व्यक्त कर कहा कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही नाम कई बार दर्ज है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सिस्टम में किसी भी हेरफेर को नाकाम करने के लिए हर स्तर पर सतर्क रहने का आह्वान किया।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन चुनावी प्रक्रिया से होता : कांग्रेस

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार बदलना विपक्ष का अधिकार है और यह चुनाव के जरिए ही संभव है। दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता खेड़ा ने 1977 के सत्ता परिवर्तन का हवाला देकर पूछा, भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता कैसे बदलती है? चुनाव के जरिए ही बदलती है। उन्होंने जोड़ा कि कांग्रेस वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाकर मौजूदा सरकार को हराने और व्यवस्था बदलने की अपनी मंशा स्पष्ट रूप से दोहरा रही है। कांग्रेस नेता खेड़ा का ये बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस दावे के जवाब में आ रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आयोग के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल कर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। सिंह ने आरोप लगाया था कि विपक्ष युवाओं को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाकर देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, और वे बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में भी सत्ता बदलना चाहते हैं।

सीजेपी के प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित, सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

-सुनवाई के दौरान माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगा वरिष्ठ वकील ने सात मामलों से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली के कर्नाट प्लेस में शुक्रवार को प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च को लेकर विवाद गहरा गया। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित होने की आशंका पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और उम्मीद व्यक्त की कि प्रदर्शनकारियों को सद्बुद्धि आएगी। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने मार्च की अनुमति देने से इनकार करते हुए लोगों से इससे दूर रहने की अपील की। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान कथित अव्यवस्था से नाराज वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने सात मामलों की पैरवी से खुद को अलग कर लिया। गौरतलब है कि सीजेपी ने शुक्रवार शाम कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में एकत्र होकर तिरंगा मार्च निकालने का ऐलान किया था। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने लोगों से राष्ट्रीय ध्वज के साथ पहुंचने की अपील की। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कानून-

व्यवस्था का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। पुलिस के अनुसार, इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है, जिसके तहत लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। पुलिस ने यह भी कहा कि सीमित संख्या में लोगों को किसी उपयुक्त स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने की सुविधा दी जा सकती है। इधर, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए शुक्रवार और शनिवार को सेंट्रल पार्क आम लोगों के लिए बंद रखने की घोषणा की। यह घटनाक्रम दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सीजेपी को प्रदर्शन करने से रोकने से इनकार किए जाने के बाद सामने आया। प्रदर्शन का ऐलान संगठन के नेता सोरब दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी तथा उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद किया गया था।

कर्नाट प्लेस के व्यापारियों के संगठन न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने राजनीतिक दलों और प्रदर्शनकारियों से

अपील की कि वे विरोध-प्रदर्शन के लिए किसी अन्य स्थान का चयन करें। संगठन ने कहा कि वह विरोध करने और अपनी आवाज उठाने के अधिकार का सम्मान करता है, लेकिन कर्नाट प्लेस व्यापारियों का कार्यस्थल है। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित नहीं होना चाहिए। संगठन ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि बेहतर भविष्य के लिए प्रदर्शन करते समय लोगों के वर्तमान रोजगार और आजीविका को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

.....सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान विवाद

इसी मामले से जुड़े सात प्रकरणों में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान बार-बार बाधा डालने और माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अदालत में व्यवस्था बनाए रखने में पीठ विफल रही और ऐसी परिस्थितियों में काम जारी रखना संभव नहीं है। उनके मुताबिक, अदालत की गरिमा किसी भी मामले में अपनी उपस्थिति बनाए रखने से



अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने करीब 46 याचिकाओं पर सुनवाई की। ये याचिकाएं पुलिस कार्रवाई, कथित गैरकानूनी हिरासत, आवाजाही पर प्रतिबंध, पत्रकारों के अधिकारों और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति से संबंधित थीं। सुनवाई के दौरान हुई कथित अव्यवस्था के बाद शंकरनारायणन ने संबंधित सात मामलों से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की।

मोदी का विरोध अपनी जगह पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता

-असदुद्दीन ओवैसी बोले- बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है

नई दिल्ली, एजेंसी।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एलन मस्क के बयानों पर कहा कि पीएम मोदी का विरोध अपनी जगह है, पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता। स्टारलिक को भारत में मंजूरी मिलने में देरी से शुरू हुए इस विवाद में राहुल गांधी ने उदागपतियों से सरकार के रिश्तों पर हमला बोला, जबकि ओवैसी ने बीजेपी से राष्ट्रवाद पर सवाल पूछा। स्पेसएक्स के मालिक और टेस्ला के सीईओ मस्क ने आरोप लगाया है कि कुछ ओलिगार्क अपना दबदबा बचाने के लिए स्टारलिक की एंटी रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या रिलायंस चैयरमैन मुकेश अंबानी भारत के असली बांस हैं, और उन्हें पीएम मुकेश अंबानी तक कह डाला। सरकार के मुताबिक स्टारलिक, रिलायंस जियो की सैटेलाइट कंपनी



और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, तीनों लाइसेंसधारी कंपनियों की सुरक्षा जांच चल रही है और वे करीब एक ही चरण में हैं। सुस्था जांच और स्पेक्ट्रम मंजूरी के बिना कोई सेवा शुरू नहीं कर सकता। मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ एआईएमआईएम के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद हैदराबाद में सांसद ओवैसी ने कहा कि वे हमेशा पीएम मोदी के खिलाफ थे और रहेंगे, लेकिन एलन मस्क पीएम के बारे में ऐसा कैसे लिख सकते हैं। उन्होंने पूछा कि बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है।

यूनूस शेख एआईएमआईएम के किसी भी पद पर नहीं थे और न ही पार्टी के सदस्य थे

-पार्षद सहर के पिता के शिवसेना में शामिल होने पर वारिस पठान ने दी सफाई

मुंबई, एजेंसी।

महाराष्ट्र के ठाणे नगर महापालिका की नवनिर्वाचित एआईएमआईएम पार्षद सहर के पिता यूनुस शेख के एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल होने की खबर पर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। इस घटनाक्रम को लेकर विरोधी दलों ने तंज कसने और भगवा रंग से जोड़ने की कोशिशों के बीच एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने एक वीडियो जारी कर सच्चाई बताई और इस मामले पर विराम लगाने का प्रयास किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वारिस पठान ने साफ किया कि यूनुस शेख ने किसी राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि एक केवल यूनिट को जॉइन किया है। यूनुस शेख पिछले तीस सालों से केबल व्यवसाय से जुड़े हुए



हैं और वे उससे संबंधित एक संस्थान के हिस्सा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूनुस शेख एआईएमआईएम के किसी भी पद पर नहीं थे और न ही वे पार्टी के आधिकारिक सदस्य थे। पठान ने यह भी बताया कि उन्होंने सहर यूनुस शेख से बात की है, जिन्होंने स्पष्ट किया है कि वह एआईएमआईएम की कॉर्पोरेटर थीं, हैं और हमेशा रहेंगी। सहर ने पहले जीत के बाद मुंबा के हरा करने का दावा किया था, जिससे विवाद पैदा हुआ था।

पठान ने इस मामले पर मचे बवाल को अनावश्यक बताते हुए कहा कि भारत में यह

कोई नई बात नहीं है कि एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों में होते हैं। उन्होंने कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां पिता, बेटी और बेटे अलग-अलग दलों में सक्रिय हैं। पठान ने कहा कि यूनुस शेख अपनी मनमर्जी के मालिक हैं और वह कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं, क्योंकि उनका एआईएमआईएम से कोई संगठनात्मक संबंध नहीं था। एआईएमआईएम ने उन अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें सहर शेख के भी शिवसेना को और झुकाव की बात कही जा रही थी।

दुनिया में जारी संघर्षों के बीच ‘तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा’: दलाई लामा

– धर्मगुरु ने कहा–तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम

नई दिल्ली, एजेंसी।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने संदेश दिया है कि दुनिया में जारी संघर्ष और बदलते भू-राजनीतिक हालात के बावजूद तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा। उन्होंने तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम बताया। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब तिब्बती धर्मगुरु के उत्तराधिकारी को लेकर चीन के साथ मतभेद बने हुए हैं और भारत-चीन के बीच सीमा विवाद भी तनावपूर्ण है। दलाई लामा ने तिब्बत के लोगों के लिए उम्मीद की किरण जगाते हुए कहा कि

हालात चाहे जैसे भी हों, तिब्बत का मुद्दा उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ों, उसकी परंपराओं और धर्म को बचाए रखने से जुड़ा है। यह संदेश इस बात पर जोर देता है कि तिब्बत का सवाल सिर्फ राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ तिब्बती लोगों की भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और उनकी अलग पहचान भी जुड़ी हुई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं, और धर्मशाला तिब्बती निर्वासितों के बीच सीमा विवाद भी तनावपूर्ण है। संस्थानों का एक प्रमुख केंद्र है, जहां दशकों से तिब्बती समुदाय अपनी

सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के भविष्य से जुड़ा एक बड़ा सवाल दलाई लामा के उत्तराधिकारी का भी है, जिस पर चीन से गहरा विवाद है। जुलाई 2025 में दलाई लामा ने स्पष्ट किया था कि उनके अगले अवतार की पहचान करने का अधिकार केवल गदेन फोउउंग ट्रस्ट के पास होगा और इस प्रक्रिया में किसी दूसरे पक्ष को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। इसके उलट, चीन का कहना है कि अगले दलाई लामा की पहचान चीनी कानूनों, धार्मिक परंपराओं

और ऐतिहासिक व्यवस्थाओं के मुताबिक होनी चाहिए और उत्तराधिकारी को चीन की केंद्र सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है। दलाई लामा का यह संदेश इस बात को रेखांकित करता है कि तिब्बत का मुद्दा केवल बदलते राजनीतिक समीकरणों से तय नहीं होगा, बल्कि तिब्बती संस्कृति, धर्म और परंपराओं को बचाने की कोशिशें इसे जीवित रखेंगी। हाल ही में भारत और चीन के बीच लड़ाख पर टिप्पणियों को लेकर भी मतभेद सामने आए हैं। 13 अक्टूबर 2026 को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लद्दाख को भारत का अभिन्न बताया था, जिसके बाद



चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने संबंधित क्षेत्रों पर अपने दावे दोहराए।

सऊदी अरब आने-जाने वाले सभी एअर इंडिया उड़ानें रद्द, प्रभावित यात्रियों को रिफंड लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में बिगड़ते हालात को देखते हुए एअर इंडिया ने रियाद, दम्माम और जेद्दा आने और जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने 16 अक्टूबर को एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जा रहा है। सऊदी अरब में हाल के हमलों से हवाई यातायात प्रभावित है और 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए ह्तौ हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एअर इंडिया ने कहा कि सऊदी अरब में बदलती स्थिति को देखते हुए ये उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी। कंपनी घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है और सुरक्षित तरीके से परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए हालात का आकलन कर रही है। एयरलाइन का कहना है कि यात्रियों और क्यू की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उड़ानें रद्द होने से सऊदी जाने और वहां से भारत लौटने की योजना बना रहे यात्रियों को परेशानी हो सकती है। इससे पहले सऊदी अरब में भारत के राजदूत विग्ल ने वहां रह रहे भारतीयों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और कहा कि भारत इस मुश्किल समय में सऊदी जनता और नेतृत्व के साथ खड़ा है। उन्होंने मृतकों के परिवारों से संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दूतावास ने भारतीयों से शांत और सतर्क रहने को कहा है। हवाई हमले में खुले में न रहे, घर या सुरक्षित इमारत में रहें। हमलों की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें, क्योंकि यह सऊदी कानूनों का उल्लंघन हो सकता है। दूतावास, वाणिज्य दूतावास और आउटसोर्स सेवा प्रदाता काम कर रहे हैं, इसलिए पासपोर्ट जैसी सेवाओं के लिए संपर्क करें। उमरा यात्रियों के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन जारी है।

राहुल ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया, अपमान का सवाल ही नहीं: शिवकुमार

–प्रदर्शन में डीके को धक्का देने से गरमाई राजनीति, भाजपा ने अपमान बताया

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार को लेकर उठे कथित विवाद पर सीएम डीके शिवकुमार ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राहुल गांधी ने ही उन्हें सीएम बनाया है और उनके प्रति अपमान जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने बीजेपी और कुछ मीडिया संस्थानों पर इसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। वहीं, बीजेपी ने भी आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने सीएम को किनारे कर कन्नड़ लोगों का अपमान किया है।

बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर दावा किया कि राहुल गांधी ने डीके शिवकुमार को धक्का देकर किनारे कर दिया। हालांकि, शिवकुमार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में भीड़ बहुत ज्यादा थी और राहुल गांधी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, इसलिए उन्होंने शिवकुमार को पीछे आ रहे वाहन में बैठने के लिए कहा था।



शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कई मीडिया संस्थानों और बीजेपी नेताओं ने इस घटना को अपमान के तौर पर पेश करना गलत है। उन्होंने कहा कि मॉस्क्राजून खड़गे, पार्टी और राहुल गांधी के आशीर्वाद से मैं सीएम बना हूं। यह पूरा आशीर्वाद है और हम यहां सरकार चला रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के मतदाताओं के हितों की

रक्षा कर रही है और वे देश के मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने के लिए एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। कुछ मीडिया संस्थान और बीजेपी नेता इस मुद्दे को लेकर बेवजह राजनीति और विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डॉ जी परमेश्वर ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी, जिससे मुख्यमंत्री के दावों को बल मिला। उन्होंने

कहा कि विरोध प्रदर्शनों और बड़ी जनसभाओं में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। परमेश्वर ने समझाया कि उस स्थान पर सुरक्षा कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी राहुल गांधी की रक्षा करना और भीड़ को उनके करीब आने से रोकना था। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्यवश मुख्यमंत्री भी उस क्षेत्र की ओर बढ़ गए और भीड़ के बीच उन्हें हल्का धक्का लग गया, जो कि परिस्थितियों का परिणाम था, न कि किसी अपमानजनक इरादे का। रिपोर्ट के मुताबिक इस विवाद पर बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक और बीजेपी नेता एन रवि कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सीएम डीके शिवकुमार को धक्का देना कन्नड़ लोगों का अपमान है। रवि कुमार ने कहा कि यह घटना राहुल गांधी की अपनी ही पार्टी के सीएम के प्रति अनादर को दर्शाती है। इस प्रकार, दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई घटना को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

पीएम मोदी ने नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि किया नमन

–भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा कर भजन में देवी महिमा का बखान किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मां कात्यायनी को नमन करते हुए एक्स पर देवी स्तुति से जुड़े एक भजन का यूट्यूब लिंक साझा किया। मोदी ने अपने इस पोस्ट में लिखा- नवरात्रि की पवित्र षष्ठी पर मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन! मेरी कामना है कि उनकी अनुकंपा से हर किसी के जीवन में असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने एक्स पोस्ट में आदि शंकराचार्य द्वारा रचित और माधवी मधुकर झा के गाए भजन भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा किया। इस भजन में देवी महिमा का बखान किया गया है। मां से प्रार्थना की गई है कि हे देवी! तुम ही मेरी गति हो। इससे पहले देवी की स्तुति करते हुए पीएम मोदी की ओर से सुभाषित भी साझा किया गया। संस्कृत श्लोक,



तव च का किल न स्तुतिरिम्बिके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः। निखिलमूर्तिषु मे भवदन्वयो मनसिज्ञासु बहिःप्रसरासु च॥ शेषर किया गया। जिसका भावार्थ है कि हे जगदम्बिके! संसार में भला ऐसा तनवार और दूसरे हाथ में कमल नहीं है? क्योंकि आपका स्वरूप तो समस्त शब्दों से बना है। हे देवी! मेरे मन में उठने वाले सभी विचारों और बाहर दिखाई देने वाली समस्त

आकृतियों एवं मूर्तियों में मुझे आपका ही स्वरूप दिखाई देता है। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जा रही है। मां का कात्यायनी देवी दुर्गा का छत्र रूप हैं। मां की चार भुजाएं हैं। उनके एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में कमल पुष्प है। उनके अन्य दोनों हाथ वरदा मुद्रा और अभय मुद्रा में हैं। उनका वाहन सिंह है।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

बुलंदशहर। स्थाना नगर के एक निजी क्लीनिक में प्रसव के बाद महिला की मौत होने से परिजनों में आक्रोश फैल गया। महिला के पति ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही बरतने और हालत बिगड़ने के बावजूद समय रहते बड़े अस्पताल के लिए रेफर नहीं करने का आरोप लगाया है। मामले में कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। नगर के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी शहजाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी शबाना नौ माह की गर्भवती थी। काफी समय से उसका उपचार डॉ. रजनी यादव और डॉ. आशीष यादव के क्लीनिक पर चल रहा था। शुक्रवार रात करीब दस बजे परिजन प्रसव के लिए शबाना को क्लीनिक लेकर पहुंचे। आरोप है कि चिकित्सकों ने जांच के बाद प्रसव कराने की प्रक्रिया शुरू की। तहरीर के अनुसार, प्रसव के दौरान शबाना की हालत अचानक बिगड़ने लगी। डॉ. आशीष यादव ने उसे इंजेक्शन लगाया, जबकि डॉ. रजनी यादव



अधिक बिगड़ने पर परिजनों ने चिकित्सकों से महिला को तत्काल रेफर करने की बात कही, लेकिन आरोप है कि इसके बावजूद क्लीनिक में ही उपचार जारी रखा गया। आरोप है कि बाद में डॉ. आशीष यादव ने एंबुलेंस बुलाकर शबाना को संस्कार मैरिज होम के सामने स्थित मैक्स अस्पताल ले जाने की बात कही। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने शबाना को मृत

घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर दिल्ली से मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंचे और कोतवाली प्रभारी ने बताया कि महिला के पति की ओर से तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर के बरामदे में पड़ा मिला वृद्धा का शव, गले पर खरोंच के निशान, हत्या के बाद लूट का आरोप

पौलीभीत। पौलीभीत के बीरलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव खांडेपुर में शुक्रवार रात 82 वर्षीय वृद्धा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह घर के बरामदे में मृत पड़ी मिलीं। उनके गले पर खरोंच और सिर में चोट के निशान बताए गए हैं। कारों के कुंडल, सोने की अंगूठियां और पैरों की पायल गायब मिलने से परिजनों ने हत्या कर लूट किए जाने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच के लिए जिला मुख्यालय से फॉरेंसिक टीम भी बुलाई गई है। खांडेपुर निवासी सेवानिवृत्त प्रवक्ता रामकुमार गंगवार ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने पुत्र दिनेश



गए थे। रात में जब दोनों घर लौटे। मुख्य गेट लगा हुआ था। कुंडी नहीं मिली थी। गेट खोलकर अंदर पहुंचे तो बरामदे में उनकी पत्नी कुसुम

देवी मृत अवस्था में पड़ी थीं। उनके गले पर खरोंच के निशान

गए थे। रात में जब दोनों घर लौटे। मुख्य गेट लगा हुआ था। कुंडी नहीं मिली थी। गेट खोलकर अंदर पहुंचे तो बरामदे में उनकी पत्नी कुसुम

समयपुर बादली में फैक्टरी में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप; 10 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। दिल्ली के समयपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 में शुक्रवार देर रात एक प्लास्टिक मोल्डिंग फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियों मौके पर पहुंचीं। काफी मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए। दमकल विभाग के अनुसार, रात करीब 12.35 बजे फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। आस पास के दमकल कार्यालय से तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। वहां पहुंचे दमकल अधिकारियों ने आग की भयावहता को देखते हुए सात और गाड़ियों को मौके पर बुला लिया। इसी बीच दमकल विभाग को सूचना मिली कि आग में तीन कर्मचारी धर्मवारी (32), मोहम्मद शाहरेख (41) और अमित (34) मामूली रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें स्थानीय लोग अंबेडकर अस्पताल ले गए। प्राथमिक इलाज के बाद सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इधर दमकल कर्मी आग बुझाने में जुट गए। जांच में पता चला कि फैक्टरी में प्लास्टिक मोल्डिंग का काम होता था। दमकल विभाग के मुताबिक फैक्टरी बेसमेंट, भूतल, पहली और दूसरी मंजिल के अलावा छत पर बने अस्थायी ढांचे वाली छीं। फैक्टरी करीब 250 वर्ग गज क्षेत्र में बनी थी। प्लास्टिक सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैली। तड़के करीब तीन बजे आग को काबू कर लिया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता कर रही है।

नदी में डूबे दो ममेरे-फुफेर भाई, छह घंटे बाद एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

सीबीगंज (बरेली)। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में रविवार को शंखा नदी में नहाने गए दो ममेरे-फुफेर भाई गहरे पानी में डूब गए। दोनों गांव के अन्य चार लड़कों के साथ नदी में नहाने गए थे। पुलिस ने गोताखोरों को मौके पर बुलाया। तलाश शुरू कराई। गोताखोरों ने छह घंटे बाद एक युवक का शव नदी से निकाल लिया। शाम तक दूसरे की तलाश जारी रही। जानकारी के अनुसार, गांव सनैया रानी निवासी 18 वर्षीय अजय कश्यप रविवार सुबह अपनी ननिहाल परखाखेड़ा गाँटियाँ आया था। वह करीब 11 बजे अपने ममेरे भाई रोहित (17 वर्ष) पुत्र किशन पाल के साथ शंखा नदी में नहाने गया। उनके साथ गांव के चार अन्य लड़कें भी थे। नहाने समय अजय और रोहित गहरे पानी में चले गए। पानी का तेज बहाव होने के कारण दोनों बह गए और डूबने लगे। साथ गए अन्य लड़कों ने गांव पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन ग्रामीणों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने नदी में दोनों को खोजने का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत गोताखोरों को बुलाया। छह घंटे के बाद अजय का शव निकाल लिया गया, जबकि रोहित को तलाश जारी है। घटना के बाद अजय और रोहित के परिजनों में कोहराम मच गया। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के पिता मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

प्रेमी ने गला घोटकर की थी युवती की हत्या, फिर जंगल में फेंक दिया शव

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र के डासना स्थित कुरेशियान मोहल्ले में काजी वाली मस्जिद के पास पुरानी रंजिश और मुकदमेबाजी को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों तरफ से जमकर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दहशत के कारण लोगों ने अपनी दुकानें और घरों के दरवाजे बंद कर लिए। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल के मुताबिक उपनिरीक्षक विनोद कुमार पांडेय को पीआरबी के माध्यम से काजी वाली मस्जिद के पास दो पक्षों में भारी पथराव होने

की सूचना मिली थी। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश और मुकदमों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी को लेकर कहासुनी के बाद गाली-गलौज और मारपीट शुरू हुई, जो कुछ ही देर में पथराव और लाठी-डंडे चलने तक पहुंच गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला किया व जान से मारने की धमकी भी दी। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए। प्रथम पक्ष के घायल तौकीर अहमद ने मेडिकल परीक्षण कराया है। उपनिरीक्षक की ओर से 9 नामजद आरोपियों और 15 अज्ञात महिला-पुरुषों के खिलाफ

प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। नामजद आरोपियों में तौकीर अहमद, अब्दुल्ला, फरमान व अमन उर्फ फरहान, नासिर व आरिफ उर्फ बिट्टू तथा सलमान, अनस और सलीम शामिल हैं। सभी आरोपी डासना के कुरेशियान मोहल्ले के रहने वाले बताए गए हैं। घायल अधिधक्का तौकीर अहमद ने आरोप लगाया है कि दूसरे पक्ष के अधिधक्का अब्दुल्ला के बेटे ने फायरिंग की, जिसमें उन्हें गोली लगी। हालांकि पुलिस फायरिंग की घटना की पुष्टि नहीं कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली

पिस्टल-डंडों से हमला, तीन घायल दूसरे पक्ष की युवती ने भी लगाए गंभीर आरोप

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र के आरडीसी में जन्मदिन मनाने के बाद घर लौट रही युवती के साथ छेड़छाड़ को लेकर जमकर बवाल हुआ। आरोप है कि युवती का हाथ पकड़कर कुछ युवक उसे अंधेरे की ओर खींचने लगे। विरोध करने पर युवती के भाई और उसके साथियों

प्रतिष्ठान में नौकरी करती हैं। 30 सितंबर को उनके भाई राहुल का जन्मदिन था। जन्मदिन मनाने के



बाद वह भाई और स्टाफ के अन्य लोगों के साथ पार्किंग में पहुंचीं। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने युवती का हाथ पकड़ लिया और तीन युवक उन्हें जबरन अंधेरे की ओर खींचने लगे। युवती के शोर मचाने पर भाई मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर

दी। शोर सुनकर स्टाफ के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि इसके बाद ब्लैक कैफ हुक्का

बार से फोन कर कुछ और युवकों को बुलाया गया। कुछ देर बाद ही गाड़ी से करीब छह युवक पहुंचे। इनमें चार के हाथ में लाठी-डंडे और दो के पास पिस्टल होने का आरोप है। सभी ने एकराय होकर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। रिपोर्ट में अभि चौधरी उर्फ बच्चू सिंह का नाम भी

प्रेमी ने गला घोटकर की थी युवती की हत्या, फिर जंगल में फेंक दिया शव

सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र के हथवानी-साऊडीह जंगल में 26 सितंबर को संदिग्ध हाल में मिले 22 वर्षीय युवती के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हथवानी निवासी मनोज कुमार उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती को गला दबाकर हत्या की गई थी। आरोपी का युवती से प्रेम संबंध था और उसे शक था कि वह किसी अन्य युवक से भी फोन पर बातचीत करती है। इसी संदेह में उसने वारदात को अंजाम दिया। 26 सितंबर को हथवानी-साऊडीह के जंगल में युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। शव मिलने की परिस्थितियां हत्या की ओर इशारा कर रही थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट

आरोपी के तौर पर दर्ज है। आरोप है कि अभि चौधरी और उसके साथी ने पिस्टल के बट से युवती के भाई सहित तीन युवकों के मुंह और सिर पर वार किए। अन्य आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया। इसके बाद आरोपियों ने धमकी दी कि आरडीसी में उनका ही दबदबा है और पुलिस को सूचना देने पर जान से मार देंगे। घायलों को संजयनगर स्थित सरकारी अस्पताल ले जाया पीड़िता की शिकायत पर कविनगर पुलिस ने अभि चौधरी उर्फ बच्चू सिंह समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि युवती ने भाई के मोबाइल से 112 नंबर पर कॉल करने का प्रयास किया, लेकिन काल रिसीव नहीं हो सकी। हालात बिगड़ते देख एक राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने तक आरोपी मौके से भाग गए। उधर, दूसरे पक्ष की युवती ने के मुताबिक घटना बृहस्पतिवार की रात करीब 12 बजे पंछी कुफ्ती वाला, आरडीसी

के पास हुई। पीड़िता अपने भाई के साथ कुल्फी खा रही थी। तभी सामने वाले मॉल से दो लड़के आए और युवती पर गंदी टिप्पणी करने लगे। भाई ने इसका विरोध किया और पृछा कि वे उसकी बहन पर ऐसी टिप्पणी क्यों कर रहे हैं। इसके बाद आरोपी गाली-गलौज पर उतर आए और युवती को भी गाली दी। विवाद बढ़ते पर उन्होंने 8 से 10 अन्य लड़कों को बुला लिया। इन सभी ने मिलकर भाई-बहन और बीच-बचाव करने आए लोगों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने अतुल पर धारदार हथियार से भी हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। युवती ने तुरंत 112 पर पुलिस को सूचना दी। एसीपी कविनगर अध्यक्ष राहुल डागा ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई हैं। घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। सीसीटीवी खंगालकर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमी ने गला घोटकर की थी युवती की हत्या, फिर जंगल में फेंक दिया शव

आने के बाद पुलिस ने हत्या की पुष्टि करते हुए मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने युवती के परिजनों और परिचितों से पूछताछ के साथ ही उसके संपर्क में रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस को युवती के हथवानी निवासी मनोज कुमार उर्फ मुन्ना से प्रेम संबंध होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने मनोज पर नजर रखनी शुरू की और पूछताछ के लिए उसे हिरासत में लिया। एसओ विनोद कुमार यादव के मुताबिक, शनिवार को मनोज को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने युवती की हत्या करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बताया कि

करीब दो माह से उसका युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिछले कुछ समय से उसे संदेह था कि युवती किसी दूसरे युवक से भी फोन पर बातचीत कर रही है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। पुलिस का दावा है कि विवाद के दौरान मनोज ने युवती का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने शव को हथवानी-साऊडीह के जंगल में छोड़ दिया। घटना के बाद युवती का शव जंगल में मिला था। एसओ ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

अमृत भारत एक्सप्रेस अब मथुरा होकर चलेगी, भुज से बरौनी तक; रफ्तार बढ़ाना रहेगा सफर

मथुरा। पश्चिमी और पूर्वी भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में बेहतर निर्णय लिया गया है। रेलवे बोर्ड ने गुजरात के भुज से बिहार के बरौनी के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस चलाने को मंजूरी दी है। करीब 2532 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन मथुरा होकर चलेगी। इससे मथुरा समेत राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। ट्रेन संख्या 19427 भुज-बरौनी अमृत भारत एक्सप्रेस भुज से शाम 5:30 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 4:05 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 19428 बरौनी-भुज अमृत भारत एक्सप्रेस बरौनी से रात 11:55 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:१5 बजे भुज पहुंचेगी। भुज से बरौनी ट्रेन का संचालन सोमवार, बुधवार और शनिवार तथा बरौनी से भुज ट्रेन का संचालन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को होगा। हालांकि, विज्ञप्ति में सेवा शुरू होने की तिथि का उल्लेख नहीं किया गया है। मथुरा के अलावा ट्रेन का ठहराव अहमदाबाद, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापूर सिटी, भरतपुर, हाथरस, बरेली, इकनतनगर, पौलीभोत, लखीमपुर, गोंड, गोाखपुर, छपरा, मंजुष्मरपुर और समस्तीपुर समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर होगा। नई ट्रेन से मथुरा के यात्रियों को गुजरात, राजस्थान और बिहार के प्रमुख शहरों के लिए एक और सीधी रेल सेवा उपलब्ध होगी।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीत बाला (पत्नी श्री अशोक कुमार) एक अवासीय निर्मित संपत्ति को मालिक हैं। यह संपत्ति प्लॉट नंबर 88 (क्षेत्रफल 30 वर्ग गज) है, जो खसरा नंबर 17/4 (ग्राम मॉरियाला, दिल्ली) के अंतर्गत आती है। यह इलाका कॉलोनी खुशी राम पार्क, उत्तर नगर, नई दिल्ली-110059 के तहत सेवा में जाना जाता है। श्रीमती सुनीत बाला के पास यह संपत्ति श्री कलदेव राज (पुत्र श्री चतन दास) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA (दिनांक 16.02.2012), ATS और वसीयत के आधार पर है। अब यह संपत्ति श्री सौरभ बलानी को बेची जा रही है, जिसके लिए SMFG इंडिया होम फाईनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाईनेंस (ऋण) दिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, बका या कोई विवाद है, तो कृपया इन सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate, SG Associates (Firm) B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P. E-MAIL:sgassociates@gmail.com, Ph: 8130309204

उत्तर रेलवे	
ई-निविदा (ई- प्रोक्युरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण	
निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता /III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई-निविदा आमंत्रण।	
1 कार्य का नाम	ADEN/NDLS सेबरान के अंतर्गत SSE/वर्क्स/ANVT के अधिकार क्षेत्र में, बांशिग लाइन और स्टैबलिंग लाइन एरिया में बांशिग लाइन कंटैकल पिस्त्रो और स्टेब की मरम्मत और पुनर्बीस, ड्रेनेज सिस्टम में सुधार, मैनहोल कवर की व्यवस्था, इंटरबैन की मरम्मत और अन्य संबंधित विविध कार्य।
2 कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs 1,99,66,875.14/- (रुपये एक करोड़ नव्याने लाख छियासठ हजार आठ सौ पचहत्तर और चौदह पैसे मात्र)
3 बयाना राशि (रुपये)	Rs 3,99,300.00/- (रुपये तीन लाख नव्याने हजार तीन सौ मात्र)
4 निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00/-
5 निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	06.11.2026 को 15:00 तक
6 वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा www.ireps.gov.in सेबसाइट पर उपलब्ध।
8 आदर्श	04-410-32
• ठेकेदारी को ई-टेंडर प्रणाली में मांग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी निविदाएं और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या मुद्रातन गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।	
चं.-128-W/280ई-निविदा सूचना/NT/46/2026-27W-3 दिनांक-15.10.2026 3609/2026	
याहकॉई ई सेव में नरुक्कन के साथ	

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रतिष्ठा प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया टोपिका सिटी लोनी (गाजियाबाद) , उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002 फोन : 011-41509689, 23315814 मोबाइल नंबर : 9312262300 E - mail address: qpatrika@gmail.com Website: www.guampatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors: Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P.Singh Advocate Mamshi Sharma Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल मजबूत कर रही सरकार : रणबीर गंगवा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का नेटवर्क मजबूत कर गांवों को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में करनाल जिले में पिचौलिया हेड से जानी गांव तक पश्चिमी यमुना नहर के बाएं किनारे पर 10 करोड़ 38 लाख 52 हजार रुपये की लागत से नई सड़क बनाई जाएगी। इस सड़क के निर्माण से आसपास के गांवों का सड़क संपर्क बेहतर होगा और ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। गंगवा ने बताया कि प्रस्तावित सड़क 1.20 किलोमीटर लंबी और 5.50 मीटर चौड़ी होगी। सड़क निर्माण से पिचौलिया, जानी और बुधनपुर गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रस्तावित इस सड़क के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधाएं लोगों की दैनिक जरूरतों से जुड़ी हैं। सड़कों का विस्तार होने से गांवों के बीच आवागमन आसान होता है और ग्रामीणों को अपने जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में सुविधा मिलती है।

हरियाणा में अब तक 15.52 लाख मीट्रिक टन धान की सरकारी खरीद

चंडीगढ़। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन के दौरान धान की सरकारी खरीद तेजी से जारी है। राज्य की खरीद एजेंसियों ने अब तक 15.52 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है और किसानों को 1,221 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज धान खरीद की समीक्षा करते हुए मंडियों में धान की आवक, खरीद, उठान, किसानों को भुगतान तथा खरीद प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में फसल खरीद के पूरे सीजन के दौरान सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, खरीद एजेंसियों, मंडी अधिकारियों, ढुलाईकर्ताओं और चावल मिल मालिकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार ने बताया कि अब तक प्रदेश की मंडियों में 21.27 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 15.52 लाख मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है और 7.69 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है।

हरियाणा सिविल सचिवालय में योग से कर्मचारी बन रहे तनावमुक्त

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा योग को बढ़ावा देने तथा मुख्यमंत्री के ‘योगयुक्त, नश मुक्त हरियाणा’ के संकल्प को साकार करने की दिशा में हरियाणा योग आयोग निरंतर सराहनीय एवं प्रभावी प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में कार्यरत कर्मचारियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए एक विशेष पहल चलाई जा रही है। हरियाणा योग आयोग के प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा पिछले दो वर्षों से सिविल सचिवालय की विभिन्न शाखाओं में जाकर कर्मचारियों को प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का योगाभ्यास करवाया जा रहा है। इस दैनिक योगाभ्यास सत्र के दौरान कर्मचारियों को तनाव मुक्त रखने, मानसिक स्पष्टता लाने और शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि करने के उद्देश्य से डीप ब्रीदिंग (गहरा श्वसन), सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं, प्राणायाम तथा ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास कराया जाता है। इस पहल से सचिवालय कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दैनिक ऊर्जा स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है।

हरियाणा में छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान

चंडीगढ़। हरियाणा में कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे, इसके लिए निर्वाचन विभाग प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाएगा। इस अभियान के तहत नए मतदाताओं के साथ-साथ उन पात्र नागरिकों के नाम भी मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे, जिनके नाम किसी कारणवश दर्ज होने से छूट गए हैं। प्रदेश में अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए 22 जिला निर्वाचन अधिकारी, 90 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 1,778 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 2,244 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सुपरवाइजर और 20,864 बूथ लेवल अधिकारी तैनात हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार, मतदाता सूची में नया नाम दर्ज करवाने के लिए फॉर्म-6 भरा जा सकता है। फॉर्म-7 के माध्यम से नाम शामिल किए जाने पर आपत्ति दर्ज करवाने अथवा पहले से दर्ज नाम हटाने के लिए आवेदन किया जा सकता है।

हरियाणा में मछली और झींगा पालकों की बल्ले-बल्ले, अब सस्ती बिजली से घटेगी लागत

‘वित्त वर्ष 2026-27 की उस बजट-घोषणा को पूरा कर दिया गया है ’

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य में मत्स्य पालकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उनको जहां उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध करवाया जाएगा, वहीं उनकी मत्स्य तथा झींगा की बिक्री के लिए अलग से मंडी का प्रावधान किया जाएगा।

राणा आज मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभाग से संबंधित मुख्यमंत्री-घोषणाओं

तथा बजट-घोषणाओं की भी समीक्षा की और निर्धारित अवधि में उनको पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में मत्स्य पालन विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन , निदेशक श्री पवन

कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की उस बजट-घोषणा को पूरा कर दिया गया है जिसमें मत्स्य पालन

इंडो-स्वीडन इनोवेशन डे पर उपस्थित होना सम्मान और प्रसन्नता का विषय : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

यह कदम दोनों देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन में आयोजित इंडिया-स्वीडन इनोवेशन डे 2026 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मुख्यमंत्री ने भारत और स्वीडन के बीच नवाचार, व्यापार तथा औद्योगिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इंडो-स्वीडन इनोवेशन डे पर आप सभी के बीच

उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान और प्रसन्नता का विषय है। आज का यह आयोजन इंडिया-स्वीडन 2035 प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए नवाचार के



साझा संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने हरियाणा को

हरियाणा के 5 शहरों में बनेंगे नए बाईपास और रिंग रोड

9700 करोड़ रुपये होंगे खर्च

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में शहरों को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार ने मेगा प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत प्रदेश के पांच शहरों में नए बाईपास और रिंग रोड का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं पर करीब 9,700 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बाईपास और रिंग रोड बनने से शहरों के अंदर वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

इन परियोजनाओं के लिए शहरों के आसपास स्थित गांवों की जमीन अधिग्रहित की जाएगी। हरियाणा सरकार ने संबंधित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मंजूरी के बाद कई परियोजनाओं की डीपीआर



हरियाणा के इन 5 शहरों में बनेंगे बाईपास और रिंग रोड

राज्य सरकार की योजना के तहत हिसार, कुरुक्षेत्र-लाडवा, नारनौल, जींद और सोहना-पलवल क्षेत्र में बाईपास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन सड़कों के निर्माण से दूसरे शहरों की ओर जाने

वाले वाहनों को भीड़भाड़ वाले बाजारों और मुख्य सड़कों से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा।

सरकार का उद्देश्य शहरों में

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के साथ-साथ प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों और दूसरे शहरों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। जींद शहर के काफी हिस्से में बाईपास का निर्माण पहले ही हो चुका है। हालांकि, कैथल, नरवाना, पानीपत, गोहाना, रोहतक और भिवानी रोड को बेहतर

गुरुग्राम-स्टॉकहोम सिटी-टू-सिटी सहयोग से बढ़ेंगे निवेश के अवसर, हरियाणा के युवाओं को मिलेगा फायद

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वीडन के ऐतिहासिक दौरे के दौरान राज्य सरकार और स्वीडिश कंपनियों के बीच कुल 4000 करोड़ रुपये के लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) पर हस्ताक्षर हुए। इस महत्वपूर्ण यात्रा ने हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश, आर्थिक सहयोग तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले हैं। इस मौके पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी साथ में उपस्थित रहे ।

दौरे के दौरान गुरुग्राम और स्टॉकहोम शहरों के बीच सिटी-टू-सिटी कोलैबोरेशन समझौता हुआ। दोनों शहर तकनीकी नवाचार, स्मार्ट सिटी समाधान, सतत शहरी विकास, ज्ञान-आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन के क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। यह सहयोग दोनों शहरों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करेगा। सशक्त भारत-आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप हरियाणा सरकार ने 3000 करोड़ रुपये का बड़ा एलओआई साइन किया। इसके अतिरिक्त रिटेल सेक्टर और वेयरहाउसिंग सेक्टर में 1000 करोड़ रुपये के एलओआई पर भी सहमति बनी। इन समझौतों से राज्य में आधुनिक

वेयरहाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिटेल श्रृंखलाओं का विस्तार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नए निवेश आने की उम्मीद है। हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार बढ़ाने तथा आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए



भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ। स्वीडिश कंपनियों ने हरियाणा के स्किल्ड युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। इससे राज्य के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के कौशल विकास, प्रशिक्षण और रोजगार के नए रास्ते मिलेंगे।

3500 करोड़ रुपये की एकीकृत परियोजना हरियाणा पर उनके भरोसे का स्पष्ट उदाहरण है। इसी प्रकार, झज्जर की मेट सिटी में स्वीडन की कंपनी अपनी कार्ल गुस्टाफ विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। फरीदाबाद में स्वीडिश-स्विस समूह एबीबी की वर्ष 1951 से संचालित विनिर्माण इकाई आधुनिक इलेक्ट्रिक मोटरों का प्रमुख उत्पादक केंद्र बन चुकी है। इसके अलावा, स्वीडिश शिक्षा संस्था कुन्सकाप्सकोलन का पहला भारतीय विद्यालय वर्ष 2013 में गुरुग्राम में खोला गया था। सैनी ने कहा कि ये सभी परियोजनाएं ‘मेक इन इंडिया’ और ‘मेड विद स्वीडन’ के हमारे साझा प्रयासों के दशर्ता हैं। उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को हरियाणा में होने वाले

‘हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2027’ के लिए आमंत्रित किया। साथ ही, हरियाणा की पावन धरा कुरुक्षेत्र पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पधारने का सादर निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर स्वीडन के मंत्री बेंजामिन दौसा, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल और भारतीय राजदूत अनुराग भूषण भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के संबोधन से भारत और स्वीडन के बीच नवाचार, शिक्षा, विनिर्माण तथा निवेश के क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है। हरियाणा सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनाप्रतिनिधि सम्मेलन में राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि विधान सभा अध्यक्ष ने लोक भवन पहुंच दिया निमंत्रण



एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की ओर से 2 नवंबर को पंचकुला स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में होने वाले जनप्रतिनिधि सम्मेलन के समापन सत्र में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष मुख्य अतिथि होंगे। सम्मेलन की तैयारियों में लगे विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण ने लोक भवन पहुंच

राज्यपाल को सम्मेलन में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया। राज्यपाल ने इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया।

गौरतलब है कि हरियाणा विधान सभा की ओर से 2 नवंबर से संविधान पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत संविधान तथा संसदीय प्रणाली से संबंधित विभिन्न आयोजन करवाने की योजना है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने खरीफ फसल खरीद की समीक्षा की

मंडियों में सुचारू व्यवस्था, समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन के दौरान धान की सरकारी खरीद तेजी से जारी है। राज्य की खरीद एजेंसियों ने अब तक 15.52 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है और किसानों को 1,221 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गौरतलब है कि सामान्य श्रेणी के धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज धान खरीद की समीक्षा करते हुए मंडियों में धान की आवक, खरीद, उठान, किसानों को भुगतान तथा खरीद प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में फसल खरीद के पूरे सीजन के दौरान सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, खरीद एजेंसियों, मंडी

अंबाला छावनी में जनसुनवाई में बिजली विभाग की लापरवाही पर अनिल विज सख्त एक्सईएन हरीश गोयल के तबादले के आदेश

वहीं, बोह निवासी महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति का थव कुछ समय पहले बोह के नैदान में झाड़ियों में मिला था, मगर पुलिस ने इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की।

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में जनसुनवाई के दौरान बिजली विभाग से संबंधित एक शिकायत पर सज़ान लेते हुए अम्बाला शहर के एक्सईएन हरीश गोयल को अम्बाला से स्थानांतरित करने के आदेश दिए और इस मामले में इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर को फटकार लगाते हुए कहा कि किसी भी मामले में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विज आज अंबाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याओं को सुन

रहे थे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज को अम्बाला छावनी निवासी एक व्यक्ति ने एक शिकायत दी कि अंबाला शहर में बिजली विभाग में



एक्सईएन हरीश गोयल ने जग्गी सिटी सेंटर के लोगों को एक एलटी कनेक्शन दिया गया है जबकि उस बिजली के कनेक्शन से वहां पर ट्रैक्टर-ट्राली इत्यादि को भी बिजली दी जा रही है जिससे वहां पर क्योसक बना हुआ है। इसी प्रकार, वहां पर झूले

लगे हुए थे, उन झूलों को चलाने के लिए भी कनेक्शन दिया गया था, जोकि अवैध है। इस पर सज़ान लेते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल



विज ने बिजली निगम अधिकारियों से मामले में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी, मगर अधिकारी स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए जिसपर मंत्री अनिल विज ने मौके पर मौजूद बिजली निगम के एसई व अन्य अधिकारियों को फटकार लगाई

ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ‘मेरी पॉलिसी मेरे हाथ’ अभियान की पॉलिसी देने के बाद कहा कि किसानों को सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यूरो पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि हर किसान को अपना पंजीकरण इस पोर्टल पर जरूर करवाना चाहिए, ताकि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सीधे उसके खाते में पहुंच

किसान को उसकी फसल की बीमा पॉलिसी उसके हाथ में दी जा रही है, ताकि किसान को यह पता चल सके कि उसकी फसल का बीमा हुआ है, उसकी प्रीमियम राशि क्या है और उसे कलमे कैसे मिलेगा। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कुरुक्षेत्र जिला के शाहबाद में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ राज्य स्तरीय समारोह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्याम सिंह राणा

ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ‘मेरी पॉलिसी मेरे हाथ’ अभियान की पॉलिसी देने के बाद कहा कि किसानों को सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यूरो पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि हर किसान को अपना पंजीकरण इस पोर्टल पर जरूर करवाना चाहिए, ताकि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सीधे उसके खाते में पहुंच

सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। भारत विकसित तभी होगा जब हमारा किसान विकसित होगा, हमारा मजदूर विकसित होगा, हमारा व्यापारी विकसित होगा और समाज का हर वर्ग विकसित होगा। जब हर वर्ग विकसित होगा, तभी 2047 तक भारत एक विकसित भारत बनेगा। कार्यक्रम के दौरान श्याम सिंह राणा ने सभी किसानों को ‘ना पराली जलाएंगे, ना जलाने देंगे’ की शपथ भी दिलाई।

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी



छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। ह्वाघर का चिराग ही घर में अंधेरा कर देह, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेंटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रा मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 28 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठता है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्त की बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। हमज़ब बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा

कीहू जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ह्यदूध का दूध और पानी का पानीहू करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पदें के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन

सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियाव्यवण पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई। नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करें, तब आत्मसंभन टालना आत्मघाती होगा। हलकीर पीटनेहू के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।



ललित गर्ग

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कमी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है।

संपादकीय

मर्ज का गजब खर्च

अक्सर मरीजों द्वारा उपचार के दौरान मनमाने दाम वसूलने और कीमतों में पारदर्शिता के अभाव के आक्षेप लगाये जाते रहे हैं। ये केवल पांच सितारा अस्पतालों के संदर्भ में ही नहीं है, क्लिनिकों,सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान उपचार खर्च में पारदर्शिता के अभाव का जिक्र होता है। जो अकसर कमजोर वर्गों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये रोग से बड़ा सिरदर्द बन जाता है। इस समस्या के मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अकसर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले वित्तीय बोझ से बच सकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स(केंद्र सरकार) नियम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें,जहां मरीज व उनके तैमारदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमतों की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। दरअसल, कई प्राइवेट अस्पताल व क्लिनिकों के संचालक इन निर्देशों को लागू करने के बावत तमाम तरह के किंतु-परंतु गिनाते हैं। उनकी दलील है कि इन नियमों को लागू करने से उपचार की आर्थिक व्यवहार्यता कमजोर हो सकती है। जिसके चलते उपचार की परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे और क्लिनिकल विशेषज्ञता में अंतर को नजरअंदाज किया जा सकता है। निस्संदेह, इन चिंताओं पर विचार तो जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें कीमतों से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक अच्छी सुविधाओं वाले प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल की लागत संरचना में अंतर होना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, मरीजों को इलाज के लिये सहमति देने से पहले यह जानने का अधिकार तो होना ही चाहिए कि उनकी जेब कितनी ढीली होने वाली है।

चितन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुुष्य हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पयांपि शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है।

भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आये।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।



मनोज कुमार अग्रवाल

त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की आत्मा हैं। दीपावली होली जैसे पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं बल्कि वे समाज में आपसी सद्भाव, उल्लास और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी हैं। ऐसे में जब हर वर्ष त्योहारों के आसपास प्रदूषण का मुद्दा उठता है और पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ती है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रदूषण रोकने की जिम्मेदारी केवल त्योहार मनाने वाले लोगों की है। पर्यावरण संरक्षण निस्संदेह जरूरी है लेकिन इसके नाम पर किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना भी उचित नहीं है। जरूरत ऐसी नीति की है जो पर्यावरण की रक्षा करे और लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उत्सव मनाने की भावना का भी सम्मान करे।



मनोज कुमार अग्रवाल

मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम कांड में सौरभ राजपूत की कालित उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई गई है। पहिंताह महिला को पहली बार देश में फांसी की सजा सुनाई गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ के पांच टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट डाल कर जमा दिये थे। यह समूचे समाज को भीतर तक झकझोरने वाला हत्याकांड रहा, जिसने भारतीय परिवारिक सामाजिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। क्या कोई विवाहित महिला ऐसा भी कर सकती है? जिस दंपति के एक छोटी बच्ची हो, जिसका पति उसको बेपनाह प्यार करता हो, लेकिन विवाहित युवती ने न अपना भविष्य देखा और न बच्ची का... वह वासना भरे कथित प्यार में ऐसी अंधी हुई कि अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति के ही पांच टुकड़े कर दिए। बुधवार को जब कोर्ट ने मुस्कान से पूछा कि तुमको क्या सजा दी जाए ? तो उसने सिर्फ इतना कहा, मेरी बच्ची छोटी है। जाहिर है, उसका अपराध दया माफी के काबिल बिल्कुल नहीं था।

यहां अदालत में न्याय के तख्त पर आसानी न्यायाधीश ने महाभारत के जिस श्लोक का अपने निर्णय में उल्लेख किया है वह गौरतलब है - निर्वनो वय्धते व्याघ्रो निर्वाचं छिद्यते वनमनस्माद्व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पालयेत्॥ इसका अर्थ है कि बिना वन (जंगल) के बाघ मारा जाता है और बिना बाघ के जंगल काट दिया जाता है। इसलिए बाघ को वन की रक्षा करनी चाहिए और वन को बाघ का पालन-पोषण करना चाहिए। इस श्लोक के माध्यम से अदालत ने समाज और कानून

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस बहस को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जय्यामलया बागची और न्यायमूर्ति वो. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कम प्रदूषण वाले विकल्प अपनाने और लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी पटाखों से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख किया। मामले में अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। भारत में दीपावली पर दीप जलाने, परिवार के साथ खुशियां बांटने और परंपरागत रूप से आतिशबाजी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। समय के साथ उत्सव मनाने के तरीके बदले हैं, लेकिन त्योहारों का मूल भाव प्रकाश, आनंद और सामाजिक एकता ही रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परंपराओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाए। कम धुआं पैदा करने वाले प्रमाणित पटाखों, निर्धारित समयसीमा और निर्बंध आतिशबाजी जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। लोगों को जागरूक करके भी प्रदूषण कम किया जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। प्रतिबंध के साथ निगरानी, जनसहभागिता और प्रभावी क्रियाव्यव

भी जरूरी है। यह सवाल भी उठता है कि यदि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं तो पराली जलाने पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वैसी ही गंभीरता क्यों नहीं दिखाई देती। किसानों की अपनी व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। फसल कटाई के बाद खेतों को समय पर तैयार करना, मशीनों की उपलब्धता और अवशेषों के निस्तारण की लागत उनके सामने वास्तविक चुनौतियां हैं। इसलिए किसानों को केवल दंडित करना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें वैकल्पिक मशीनें, आर्थिक सहायता और पराली के उपयोग की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई भी होनी चाहिए। किसान, उद्योग, वाहन चालक और आम नागरिक सभी पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी साझा करें, तभी सार्थक परिणाम मिलेंगे। होली के अवसर पर भी पानी की कमी का मुद्दा उठता है। जल संरक्षण की चिंता बिल्कुल उचित है, लेकिन उसका समाधान भी संतुलित होना चाहिए। लोगों को पानी बचाने, सूखे रोंगें का इस्तेमाल करने और अनावश्यक जल व्यय से बचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इसी प्रकार दीपावली पर पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए जनजागरण अभियान चलाए जा सकते हैं। समाज को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था अधिक प्रभावी होती है। त्योहारों को लेकर हर वर्ष विवाद खड़ा करने के बजाय सरकार, प्रशासन, पर्यावरण विशेषज्ञों और धार्मिक

मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा समाज को संदेश

रविता कश्यप और उसके प्रेमी अमरदीप ने अमित कश्यप की हत्या कर उसे सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की। पति के बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। सोमन रघुवंशी केस की भी आपको याद होगा। इस केस में सोमन पर अपने पति राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या करने का आरोप है। महाराष्ट्र के एक-दो नहीं, पांच से ज्यादा केस हैं। इसी तरह पुणे के केतन हत्याकांड ने भी विवाह जैसी संस्था की धज्जियाँ उड़ाई थीं। जिस रिश्ते से जीवन संवरने की उम्मीद होती है, वही बनने से पहले ही अगर मौत की वजह बन जाए तो भरोसा आखिर किस पर किया जाए? रिश्ते अब अपनी शतों पर चलाने की जिद में उलझते नजर आते हैं। आए दिन इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं। सवाल हत्याओं से ज्यादा विवाह परंपरा, उसकी मर्यादा और रिश्तों के खून पर उठ रहे हैं। पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास, प्रेम और साथ निभाने की प्रतिज्ञा पर टिका होता है। लेकिन जब इसी रिश्ते में विश्वास की जगह छल, संवाद की जगह हिंसा और मतभेद की जगह हत्या ले लेती है, तो सवाल केवल अपराध का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच का यन जाता है। नीला ड्रम कांड और मुस्कान साहिल से जुड़े मामले ने समाज को झकझोरने के साथ यह सोचने पर भी विवश किया है कि आखिर वैवाहिक रिश्ते इस हद तक कैसे पहुंच रहे हैं कि जीवनसाथी ही जीवन का दुश्मन बन जाता है। पति की हत्या, शव को छिपाने और अपराध के साक्ष्य मिटाने जैसे आरोप किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में जनभावना स्वाभाविक रूप से कठोरतम दंड की मांग करती है। और अदालत ने फांसी की सजा सुनाकर संदेश भी दिया कि जयन्तम मामलों में कोई राहत नहीं दी जा सकती। भारतीय कानून में हत्या एक गंभीर दंडनीय अपराध है। एक जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय सहित में हत्या के लिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास तथा जुर्माना का प्रावधान है। इससे पहले के अपराधों पर लागू कानून का निर्धारण घटना की तारीख और संक्रमण संबंधी कानूनी प्रावधानों के अनुसार होता है। नीला ड्रम कांड केवल एक अपराध की घटना नहीं है। इस घटना के बाद समाज की सोच भी बदली। विवाह योग्य लड़के खोफ में आ गए। वह विवाह से कतराने लगे। इस कांड ने विवाह परंपरा को

ही सवालों के घेरे में ला दिया। सोशल मीडिया पर नीला ड्रम ऐसे छ़ा गया, मानो उसका ही कस्ूर था। हालात-ए-कल्ल का मंजर देखकर पुलिस टीम के भी रोंगटे खड़े हो गए, जब नीले ड्रम में सौरभ राजपूत टुकड़े-टुकड़े होकर जमा पड़ा था। अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े करना, उन्हें ठिकाने लगाना या साक्ष्य नष्ट करना जांच में महत्वपूर्ण परिस्थितियां रहीं। न्याय का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि कानून के प्रति समाज का विश्वास बनाए रखना भी है। नीला ड्रम कांड के बाद पति की हत्या से जुड़े दूसरे चर्चित मामलों की चर्चा ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है। क्या वैवाहिक रिश्तों में हिंसा और प्रतिशोध की प्रवृत्ति बढ़ रही है? इसका उत्तर केवल सुखियों और वायरल खबरों से नहीं दिया जा सकता। ये घटनाएं सामाजिक विकृतियों पर आत्मसंथन की मांग करती हैं। आर्थिक अपेक्षाएं, विवाहेतर संबंधों को लेकर विवाद, संदेह, अहंकार, संपत्ति के झगड़े और पारिवारिक हस्तक्षेप आदि इसके कई कारक हैं। ऐसे जघन्य अपराधों में फांसी की सजा केवल एक नज्ीर है। जिस पवित्र रिश्ते का खून हुआ, उसकी कहां सुनवाई होगी ? नीला ड्रम कांड में सुनाई गई सजा एक चेतावनी भर है। अपराध की भयावहता केवल शव छिपाने के तरीके में नहीं, उस मानसिकता में भी है जो किसी इंसान की जान लेने को समस्या का समाधान समझती है। इस मानसिकता को बदलने के लिए कानून, परिवार, शिक्षा और समाज-सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी।

सोशल मीडिया के इस दौर में तमाम तरह का अनैतिक असाभिकाल और रिश्तों की पवित्रता को नष्ट करने वाली रील और सामग्री को वायरल कर परिवार व समाज को दूषित किया जा रहा है और नयी पीढ़ी में वैचारिक प्रदूषण का बीजारोपण कर भारतीय संस्कृति समाज और परिवार को तोड़ने का अघम काम किया जा रहा है। सबसे अघम सवाल है कि विवाह परंपरा को कैसे पुनर्जीवित और मजबूत बनाया जाए। सवाल यही है कि सात फेरों में साथ जीने-मरने का वादा करने वाले रिश्ते में आखिर जिंदगी इतनी सस्ती कैसे हो गई?इस दृष्टि और अपराध की सोच को अंकुरित होने से पहले ही खत्म करना होगा तभी परिवार नाम की संस्था को बचाया जा सकता है।

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो 17-22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान और भारत की यात्रा करेंगे, जामनगर का दौरा भी होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए अगले हफ्ते भारत के दौरे पर जाएंगे. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी. रुबियो पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और फिर 17-22 अक्टूबर तक भारत के मुंबई और जामनगर जाएंगे, ऐसा बताया गया. मई के बाद से यह रुबियो का दूसरा भारत दौरा होगा, जब उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर की होस्ट की गई व्हाट फॉरेन मिनिस्टर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया था. विदेश मंत्रालय ने कहा, ‘वह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, क्षेत्रीय और वैश्विक आयाम पर विचारों का आदान-प्रदान करने और बेहतर ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे.’ इसमें कहा गया है कि रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के मौकों को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस लीडर्स से भी मिलेंगे. रुबियो का जामनगर दौरा बहुत जरूरी है क्योंकि यह रिलायंस की रिफाइनरी का घर है, जो दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट फैसिलिटी है. जिसकी कैपेसिटी हर दिन 1.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल प्रोसेस करने की है. मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनाइस किया था कि अमेरिका रिलायंस इंडस्ट्रीज के इन्वेस्टमेंट से 50 साल में अपनी पहली रिफाइनरी बनाएगा.

फलाईडुबई मामले के बाद पाकिस्तान के पायलटों पर एक्शन, इजराइल जाने वाली फ्लाइट्स उड़ाने पर फ्रांस ने लगाई रोक

आबुधाबी, एजेंसी। एयर फ्रांस एयरलाइन ने पाकिस्तान के पायलटों और कैंबिन क्रू (फ्लाइट स्टाफ) को इजराइल आने-जाने वाली फ्लाइट्स को उड़ाने या उनमें काम करने से मना कर दिया है. एयर फ्रांस उन नियमों का कड़ाई से पालन कर रही है, जिनके तहत जिन देशों के आपस में राजनीतिक या कूटनीतिक संबंध नहीं हैं जैसे पाकिस्तान और इजराइल, उनके नागरिकों को उस रूट पर ड्यूटी नहीं दी जाएगी. अमेरिकी एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइंस और चेक एयरलाइन स्मार्टविंग्स ने भी इन नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीयता के आधार पर लगाई गई पाबंदियां अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन संचालन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं. इस सख्ती के पीछे की वजह 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फलाईडुबई की घटना को माना जा रहा है. फ्लाइट में ओमान के को-पायलट ने कोकपिट में किए गए हमले के बाद बरती जा रही है. आरोप है कि को-पायलट ने फ्लाइट पर हमला किया था. ओमान भी उन देशों की सूची में शामिल है, जिसके इजराइल देश के साथ कोई आधिकारिक या राजनीतिक संबंध नहीं हैं. फ्रांस के खोजी मीडिया संस्थान ‘मीडियापाव’ और एक्विपेशन इंटेलिजेंस कंपनी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है. इन रिपोर्टों के अनुसार, एयर फ्रांस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने सभी पायलटों और कैबिन क्रू को इस रूट पर लगाए गए नए सुरक्षा प्रतिबंधों के बारे में पूरी जानकारी दे दी है।

होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के दो कटेनर जहाजों पर हमला, एक समुद्र में डूबा; सभी 43 क्रू मेंबर सुरक्षित

सिंगापुर , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के टकराव के कारण मध्य एशिया के लिए ऊर्जा का प्रमुख मार्ग होर्मुज स्ट्रेट संवेदनशील बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रही जहाज सुरक्षित नहीं है। इसी बीच इस मार्ग से गुजर रहे सिंगापुर में पंजीकृत दो कटेनर जहाजों पर मंगलवार और बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किए जाने की खबर है। इस घटना में एक जहाज में आग लगने के बाद वह डूब गया, जबकि दूसरे जहाज को भी नुकसान पहुंचा। बुधवार को सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। सिंगापुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार जीएफएस प्राइड नामक जहाज हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद वह डूब गया। जहाज पर सवार सभी 21 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दूसरे जहाज जीएफएस गिजेल के बाहरि दावे को बुधवार को अज्ञात। हालांकि, जहाज अपने इंजन की मदद से सुरक्षित बंदरगाह तक पहुंचने में सफल रहा। इस जहाज पर चालक दल के 22 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। एमपीए ने बताया कि दोनों जहाजों में कोई सिंगापुरी नागरिक सवार नहीं था।

ट्रंप की नई प्रेस सचिव की डिग्री पर उठे सवाल? खुद को लेकर कर रहीं वकील होने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई प्रेस सचिव केटी जकारिया इन दिनों अपनी योग्यता को लेकर विवादों में हैं। खुद को वकील बताने वाली जकारिया के पास कानून की डिग्री तो है, लेकिन अब तक ऐसा कोई रिकॉर्ड सामने नहीं आया है, जिससे साबित हो कि उन्होंने अमेरिका के किसी राज्य में वकालत का लाइसेंस हासिल किया है। चीन की एक लॉ फर्म में काम करने के उनके दावे पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ट्रंप के सामने सवाल, जवाब अधूरा : मंगलवार को पहली बार प्रेस सचिव के तौर पर मीडिया के सामने आई जकारिया को अपने प्रदर्शन के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। इसके बाद पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि उन्होंने किस राज्य में वकालत की परीक्षा पास की है। ट्रंप ने जवाब देने के लिए जकारिया को आगे कर दिया। उन्होंने कहना शुरू किया, ‘जब मैं चीन गई थी...’ लेकिन मरीन वन हेलीकॉप्टर की आवाज के कारण उनकी बात पूरी तरह सुनाई नहीं दी। यह भी साफ नहीं हो सका कि वह आगे क्या कहना चाहती थीं।

डिग्री है, लेकिन लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं : जकारिया ने 2007 में पेपरखाइन यूनिवर्सिटी से स्नातक और 2011 में पेपरखाइन कासेसो स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल की थी। हालांकि, कानून की



डिग्री होना और वकालत का लाइसेंस मिलना अलग-अलग बातें हैं। व्हाइट हाउस ने उनके बयान के हवाले से कहा कि उन्होंने सभी जरूरी योग्यताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय लेनदेन से जुड़े कानून के क्षेत्र में काम किया है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने भी उनका बचाव करते हुए उन्हें बेहद योग्य और तेज दिमाग वाला बताया।

चीन की लॉ फर्म में भी किया काम : जकारिया की लिंकडइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह जून 2026 से ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में वरिष्ठ संचार सलाहकार थीं। इससे पहले वह अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में भी काम कर चुकी हैं। उनकी प्रोफाइल में

ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होगा, ऊर्जा कीमतों में तेजी से आएगी गिरावट’, ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन , एजेंसी। एरिजोना से मोंटाना में एक चुनावी रैली के लिए खाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। उनका दावा है कि युद्ध खत्म होने के बाद तेल और ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आएगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि युद्ध कब तक खत्म होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इस संबंध में ईरान के साथ कोई बातचीत चल रही है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने मुख्य सैन्य लक्ष्य में सफल रहा है, जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। यह युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। इससे पहले एरिजोना के बुलहेड सिटी में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और उसके असर पर विस्तार से बात की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों ने

ईरान की सैन्य ताकत को काफी कमजोर कर दिया है, जिसमें उसकी नौसेना और वायुसेना की क्षमताएं भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि? सैन्य कार्रवाई इतनी व्यापक रही कि अब अमेरिका के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया है कि बातचीत किस ईरानी अधिकारी से की जाए। उन्होंने कहा, ‘शायद मैं बहुत आगे निकल गया। मुझे नहीं पता कि आखिर बात किससे करनी है।’ यह टिप्पणी उन्होंने ईरानी नेतृत्व के कई स्तरों को हटाए जाने के संदर्भ में की। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जिसके जरिए बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस दुनिया भर में भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि हमने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लिया है और इस समय वहां से पहले की तुलना में अधिक तेल बाहर जा रहा है। ट्रंप के मुताबिक, यह स्थिति अमेरिकी नौसैनिक अभियानों की वजह से संभव हुई है। उन्होंने इन अभियानों को ‘स्टील की दीवार’ जैसा बताया।

जयशंकर ने यूएई के विदेश मंत्री अल-नाहयान से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

अबू धाबी, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आधिकारिक दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-यूएई संबंधों और कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक््स’ पर लिखा, ‘यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ गर्मजोशी और सार्थक मुलाकात हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की भावना के तहत द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।’ विदेश मंत्री बुधवार को अबू धाबी पहुंचे, जहां यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमि ने उनका स्वागत किया। इससे पहले, जयशंकर ने ‘रायसीना डायलॉग’ के मध्य पूर्व सत्र ‘द वर्ल्ड अहेड: पावर, पॉप एंड पॉसिबिलिटी’



में अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ हिस्सा लिया। नाहयान यूएई के उप प्रधानमंत्री भी हैं। कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की और बहुपक्षीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। जयशंकर ने ‘एक्स’ पर कहा कि बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि दुनिया की व्यवस्था तेजी से बदल रही है। यह बदलाव लंबे समय से चल रहे रूढ़ानों और छल की घटनाओं, दोनों का नतीजा

विदेश

अमेरिका ने यूक्रेन को मझधार में छोड़ा?: जेलेंस्की ने ट्रंप के सलाहकारों पर उठाए सवाल

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लाडिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को रूस के साथ डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलोचना की। जेलेंस्की ने कस कि रूसी ईंधन आयात करने पर सहमत होकर वाशिंगटन ने गलत पक्ष चुना है। उन्होंने ट्रंप से गैरकोई के खिलाफ युद्ध में कीव का समर्थन करने की अपील की। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, ब्रिटिश शो ‘पियर्स मॉर्गन अनसेंसेड’ पर जेलेंस्की ने कहा, ‘जब राष्ट्रपति ट्रंप हमारा पक्ष नहीं, बल्कि किसी एक पक्ष का साथ देते हैं, तो यह दुखद होता है। लेकिन हमें इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि वह बीच का रास्ता अपना रहे हैं। लेकिन अगर आप बीच का रास्ता अपनाते हैं तो आपको बीच में ही रहना होगा। गलत पक्ष मैं नहीं।’ जेलेंस्की ने इस मुद्दे पर ट्रंप को मिल रही सलाह पर भी सवाल उठाया और कहा, ‘मुझे लगता है कि उनके सलाहकार गलत हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें कौन उम्मास रहा है। सभी पक्ष की ओर नहीं, यह इतिहास का सही पक्ष नहीं है।’ साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा कि इस घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि यूक्रेन एक महत्वपूर्ण सहयोगी का एमर्जन हो रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक समझौते की घोषणा के बाद आई है।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश नाकाम: दूतावास ने पुलिस की तारीफ

शिकागो, एजेंसी। शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बुधवार को अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों की ओर से की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना की। यह कार्रवाई इलिनोइस में हिंदुओं के एक पूजा स्थल को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर गोलीबारी की साजिश रचने के आरोपी 19 वर्षीय युवक की गिरफ्तारी के बाद की गई थी।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने क्या कहा : शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा, ‘उसे इलिनोइस के अंरोरा में एक पूजा स्थल को निशाना बनाने की कथित नाकाम कोशिश से जुड़ी खबरों की जानकारी है। दूतावास ने पुष्टि की कि वह इस मामले पर करीबी नजर रख रहा है और भारतीय समुदाय के लोगों के संपर्क में है। पैलेटाइन पुलिस विभाग के अनुसार, 19 वर्षीय संदिग्ध



एलेक्जेंड्रेस पैपोराकिस को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की धमकियों की जांच के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जांच 11 अक्टूबर को शुरू हुई, जब माउंट प्रॉस्पेक्ट पुलिस विभाग ने पैलेटाइन पुलिस विभाग को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की जानकारी दी। यह जानकारी एक व्यक्ति से मिली थी, जिसने बताया

अमेरिका: फ्लोरिडा में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर लगेगी रोक? अदालत से कानून को मंजूरी

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा राज्य को बुधवार को अदालत में एक अहम जीत मिली है। इस फैसले के बाद, राज्य अब 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाने और अन्य पाबंदियां लागू करने में सक्षम होगा। 2024 में जब गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे, तब यह बच्चों की सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर अमेरिका के सबसे सख्त कानूनों में से एक था। अपील अदालत ने कहा कि यह कानून ‘फर्स्ट अमेंडमेंट’ (अमेरिकी संविधान का पहला संशोधन) से जुड़ा है, लेकिन संभवतः यह किसी खास कंटेंट के बजाय तटस्थ तरीके से लागू होता है। 11वें अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपीलस की एक बेंच ने 3-0 के बहुमत से कहा कि यह कानून कानूनी चुनौतियों में टिक सकता है, क्योंकि यह बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए जरूरी हद से ज्यादा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाता है। यह कानून फ्लोरिडा में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रोक लगाता है। वहीं, 14 या 15 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के वास्ते माता-पिता की सहमति जरूरी होगी। ‘कंप्यूटर एंड कम्युनिकेशंस इंडस्ट्री एसोसिएशन’ और ‘नेटचॉइस’ जैसे इंडस्ट्री समूहों ने फ्लोरिडा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। उनका तर्क था कि

यह कानून सोशल मीडिया कंपनियों और उपयोगकर्ताओं के ‘अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता’ के अधिकारों का उल्लंघन करता है। 2025 में एक जज ने कहा था कि यह कानून संभवतः असंवैधानिक है और इस पर रोक (इंजंक्शन) लगा दी थी। जब अपील अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही थी, तब उस रोक को होल्ड पर रखा गया था। अब यह रोक हटा दी गई है। वहीं, यह मुकदमा वापस तत्काली की फेडरल कोर्ट में जाएगा। अपील अदालत ने बताया कि यह कानून उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लागू होता है, जिनके बारे में यह तय किया गया है कि वे बच्चों को सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, यह केवल उन्हीं प्लेटफॉर्म्स पर लागू होता है जो एल्गोरिदम और लत लगाने वाले कई फीचर्स का इस्तेमाल करते हैं। फ्लोरिडा के टिफिनी जर्नरल के कार्यालय से अटॉर्नी मांगने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला। ‘नेटचॉइस’ ने कहा कि ‘नेटचॉइस’ ने निराश हैं। ‘नेटचॉइस’ के वकील पॉल टास्के ने कहा, ‘हम अभी अपने सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे कि ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार सुरक्षित रहें। वहीं, अपने परिवारों के लिए फैसले लेते समय माता-पिता का ही मुख्य नियंत्रण बना रहे।

तस्वीरें भी साझा की थीं। पैपोराकिस को उसके घर से निकलते समय ढूंढ निकाला गया और हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद, पैलेटाइन पुलिस के जासूसों ने उसके घर की तलाशी ली। बरामद की गई वस्तुओं में बांडी आर्मर से लैस एक सामरिक जैकेट और श्वेत वर्चस्ववादी अग्रवाद से जुड़े प्रतीकों वाला एक पैच शामिल था। इसमें श्वेत वर्चस्ववादी और चरमपंथी विचारों से जुड़े बयान होने की बात कही गई है। दस्तावेज में भारतीय मूल के लोगों सहित दक्षिण एशियाई समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा का भी जिक्र था। जांच एजेंसियां अब इन दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक बातचीत और बरामद सामान की पड़ताल कर रही हैं, ताकि कथित साजिश के उद्देश्य और उसकी तैयारी से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

यूक्रेन में स्टारलिनक पर पाबंदी से घिरे मस्क: रूस के हमलों के बीच उठे सवाल

कीव, एजेंसी। रूस के हमलों के बीच यूक्रेन में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क को कटघरे में ला खड़ा किया है। आरोप है कि यूक्रेन में इस सेवा पर लगी पाबंदियों से यूक्रेनी सेना के संचार और सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। अमेरिकी सांसदों ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं। अब बहस सिर्फ इंटरनेट सेवा की नहीं, बल्कि इस बात की है कि क्या कोई निजी कंपनी युद्ध के दौरान किसी देश की रक्षा क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

स्टारलिनक बंद होने से क्यों मचा बवाल : यूक्रेन की सेना युद्ध के दौरान स्टारलिनक पर काफी हद तक निर्भर है। इसका इस्तेमाल ड्रोन उड़ाने, खुफिया जानकारी जुटाने और सैनिकों के बीच संपर्क बनाए रखने में किया जाता है। ऐसे में कनेक्टिविटी में रुकावट आने से मोर्चे पर मुश्किलें बढ़ने की आशंका जताई गई। अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया कि रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच यूक्रेन की संचार सेवाओं पर रोक लगाना बेहद गंभीर मामला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इस तरह की पाबंदियां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा पहुंचा सकती हैं। वहीं, सांसद प्रमिला जयपाल ने चेतावनी दी कि किसी एक कंपनी के पास युद्ध के दौरान संचार व्यवस्था रोकने की ताकत होना खतरनाक मिसाल बन सकता है। जेलेंस्की ने मस्क पर उठाए सवाल यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर



जेलेंस्की ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। ब्रिटिश पत्रकार पियर्स मॉर्गन के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि रत करीब एक बजे स्टारलिनक की सेवाएं रोक दी गई थीं। उनके मुताबिक, इसका असर यूक्रेन की सैन्य गतिविधियों और रूसी हमलों से बचाव की कोशिशों पर पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि यह सेवा विचारों के दुश्मन पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने आशंका जताई कि संचार व्यवस्था में बाधा आने से रूसी हमलों को रोकने में मुश्किल हुई और लोगों को जान देने का खतरा बढ़ा। उन्होंने मस्क के फैसले को बड़ी गलती बताया। मस्क ने स्टारलिनक और स्टारशील्ड में बताया अंतर विवाद बढ़ने पर एलन मस्क ने सफाई देते हुए स्टारलिनक और स्टारशील्ड को अलग-अलग सेवाएं बताया। उनके अनुसार, स्टारलिनक स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल नागरिक और श्लाघक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। मस्क का कहना है कि व्यावसायिक सेवा का इस्तेमाल आक्रामक सैन्य कार्रवाई के लिए करना उचित नहीं होगा। वहीं, स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली सैन्य संचार प्रणाली है।

जानकारी

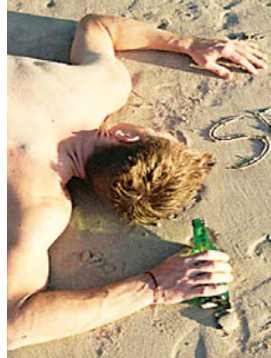
हैंगओवर का आपके शरीर पर ऐसे पड़ता है असर

वीकेंड पार्टी का दौर तब काफी महंगा पड़ता है, जब अगले दिन ऑफिस के लिए तैयार होते वक्त सिर हैंगओवर से चकरा रहा होता है। हैंगओवर क्यों होता है, इसका शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है और ये दूर कैसे होता है, इस बारे में लोगों को कई राय है, लेकिन क्या आपको सही-सही पता है कि हैंगओर क्यों होता है व शरीर पर इसका क्या प्रभाव होता है यदि नहीं तो चलिए जानें-

हैंगओवर : अधिक शराब पीने, एक बार में कई ब्रांड की शराब मिलाकर पीने से हैंगओवर हो सकता है। हैंगओवर के कारण सिरदर्द, तनाव, मितली और बेचैनी की समस्या होती है। हैंगओवर के कारण डीहाइड्रेशन, एल्कोस्टेरॉन और कॉर्टिसोल जैसे हार्मोनों के स्तर में बदलाव होता है और ये ही हैंगओवर का कारण बनता है।

युवाओं पर अधिक होता है इसका असर : डेनमार्क में हुए एक शोध के दौरान 50,000 लोगों के अध्ययन से निष्कर्ष निकाला गया है कि युवाओं को हैंगओवर ज्यादा होता है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में पाया गया कि 62 प्रतिशत युवाओं को हैंगओवर हुआ, जबकि 60 साल से अधिक उम्र के मात्र 14 प्रतिशत लोगों को हैंगओवर का अनुभव हुआ।

क्या होता है पीने के बाद : एक्सपर्ट्स का कहना है कि स्ट्रॉनग अल्कोहल का असर 6-8 घंटे तक रहता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कोई भी ड्रिंक 60 एमएल से ज्यादा होने पर दिमाग के न्यूरोन्स पर असर डालना शुरू कर देता है और फिर दिमाग का सिग्नल सही समय पर बाकी अंगों को नहीं मिल पाता और संतुलन गड़बड़ने लगता है। ऐसे में व्यक्ति कई चीजों पर नियंत्रण नहीं रख पाता।



जितनी गाढ़ी शराब, उतना बढ़ा हैंगओवर : अमेरिकी शोध के अनुसार शराब का रंग जितना गाढ़ा होता है, उसे पीने के बाद खुमारी भी उतनी अधिक होती है। यही कारण है कि वोदका से बीयर का हैंगओवर ज्यादा होता है और बीयर से व्हिस्की का हैंगओवर ज्यादा होता है। हालांकि शोधकर्ता इसके पीछे का रहस्य अभी तक नहीं जान सके हैं।

इज़िप्टिग करने में परेशानी : शराब पीने के कुछ देर बाद ब्रेक लगाने या स्ट्रेचिंग संभालने के मामले में भी धरों तक सिग्नल लेट पहुंचता है और अचानक ब्रेक मारने पर एक्सिडेंट हो जाते हैं। पीने के बाद ड्राइजिनेस (नींद से भर) महसूस होता है। सामने से गाड़ियों की लाइट पड़ने पर आंखें चौंधियाती हैं व ऐसे में दुर्घटना का खतरा रहता है।

महिलाओं को होता है ज्यादा हैंगओवर : कई शोध बता चुके हैं कि पीने के बाद महिलाएं पुरुषों की तुलना में जल्दी सुथुबूध खो बैठती हैं। मिजुरी और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार शराब पानी की अपेक्षा फैट्स में तेजी से घुलती है और महिलाओं के शरीर में पानी की अपेक्षा फैट्स की मात्रा अधिक होती है। यही कारण है कि बराबर मात्रा में शराब के सेवन के बाद भी महिलाओं को हैंगओवर ज्यादा होता है।

पुरुषों के शरीर में दिखने के वाले ये लक्षण हो सकते हैं जानलेवा



हार्ट अटैक का कारण बन सकता है सीने में अचानक होने वाला दर्द। तेजी से वजन घटना हो सकता है कैसर या डायबिटीज का इशारा।

लगातार कई दिनों तक हल्का बुखार रहना भी होता है घातक।

अगर अचानक कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या आपको सताने लगे, तो इसे गंभीरता से लेते हुए अपने चिकित्सक से संपर्क करें। आपको इस तरह की समस्या थकान होने पर भी हो सकती है। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं ऐसी शारीरिक समस्याओं के बारे में जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सीने में दर्द

कई बार लोग अचानक सीने में होने वाले दर्द को स्वास्थ्य समस्या न मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। यदि दर्द के कारण आप सही ढंग से काम नहीं कर पाते, दबाव महसूस करते हैं या आपको बेचने में समस्या होती है तो यह हार्ट अटैक का कारण भी बन सकता है। सीने में दर्द होने पर मितली आने, उल्टी होने और छोटी सांस आने की समस्या भी हो सकती है। काम के दौरान सीने में दर्द की परेशानी एंजाइना के कारण हो सकती है। इसमें हृदय की नसों को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिल पाता।

तेजी से वजन घटना

शरीर का तेजी से वजन घटना अख्त नहीं। यदि आप वजन घटाने की कोशिश नहीं करते और आपका 5 फीसदी वजन अचानक कम हो जाता है तो यह कैसर हो सकता है। उम्रदराज व्यक्तियों में अचानक वजन कम होने के 36 फीसदी मामलों की पुष्टि कैसर के रूप में हुई है। इस तरह की परेशानी होने पर चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। यदि वजन कम होने के साथ ही आपको ज्यादा प्यास, भूख, थकान और ज्यादा मूत्र आने की भी समस्या है तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है।

तेज बुखार रहना

किसी को लंबे समय से बुखार है या 103 डिग्री फॉरेनाइट या इससे अधिक बुखार है तो यह खतरनाक हो सकता है। ऐसा होने पर रोगी को मूत्राशय संबंधी संक्रमण, निमोनिया और मस्तिष्क ज्वर आदि की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक बुखार रहने पर एंटीबायोटिक का सेवन किया जाता है। लगातार कई हफ्तों तक हल्का बुखार रहना किसी बड़ी बीमारी का कारण अथवा इशारा हो सकता है। इस प्रकार की समस्या को अनदेखा न करें और उचित उपचार कराएं।

अचानक

सिर दर्द होना

ऑफिस में काम करने के दौरान, सुबह उठने के बाद या किसी और समय अचानक सिर दर्द होता है तो यह सामान्य कारण नहीं है। अमूमन देखा जाता है कि इस तरह का दर्द सिर के किसी एक हिस्से में अचानक और कुछ सेकंड या मिनटों के लिए होता है। कुछ समय बाद दर्द बिना उपचार के ही ठीक हो जाता है, ठीक होने पर हम इस पर ध्यान नहीं देते। ऐसा होने पर चिकित्सक से परामर्श करें।

छोटी सांस आना

अचानक छोटी सांस आना फेफड़ों संबंधी समस्या हो सकती है। यदि आपको सीढ़ी चढ़ने पर सांस लेने में परेशानी होती है या आप खुद को थका हुआ महसूस करते हैं तो इसे मामूली न मानें। यह दिल की धड़कन अनियमित होने का इशारा हो सकती है। यह हार्ट फेल होने या फिर अन्य प्रकार की हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकती है। इसके अलावा ऐसा अस्थमा के कारण भी हो सकता है।

सुझाव

दिलो-दिमाग ही नहीं, शरीर पर असर डालता है ब्रेकअप

बड़ा गहरा होता है रिश्ता टूटने का दर्द। पुरानी बातों को याद कर आप आज भी बेचैन रहते हैं। यादें मन को कहीं टिकने ही नहीं देतीं। अचानक दिल पर लगे आघात को सह पाना आसान नहीं होता। लेकिन, ऐसा नहीं कि प्रेमाघात से केवल भावनात्मक और मानसिक चोट ही लगती हो, बल्कि इससे आपकी सेहत पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।



मस्तिष्क पर भी असर

ब्रेकअप का मस्तिष्क पर गहरा असर होता है। येशिवरा विश्वविद्यालय के अल्चर्ट आईस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन के डॉक्टर लुसी ब्राउन के नेतृत्व में हुए एक शोध के अनुसार, प्रेम में बिछड़ने पर मस्तिष्क में लगभग उसी तरह का असर होता है जैसे नशे की लत छोड़ने पर। दिल की चोट भाग लोगों के मस्तिष्क के बारे में पहली बार किए गए अध्ययन में पाया गया कि उनके पूर्व प्रेमी या प्रेमिका की याद दिमाग के उस हिस्से को सक्रिय बना देती है, जो लत की तलब, भावनाओं पर नियंत्रण, जुड़ाव का भाव, शारीरिक दर्द और अवसाद से जुड़ा होता है।

तेजी से कम होता है वजन

ब्रेकअप का सेहत पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, रिश्ता टूटने के बाद पुरुष और महिला दोनों का वजन तेजी से घटता है। डाइट फर्न प्रोजेक्टा स्क्लीमेंट द्वारा एक हजार लोगों पर कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, लंबे समय तक चला रिश्ता टूटने के बाद महिलाओं का वजन एक महीने में लगभग 2.26 किलोग्राम तक कम हो जाता है। डेली स्टार वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, रिश्ते के टूटने के बाद अगर कोई व्यक्ति एक साल तक अकेला रहता है, तो उसका वजन छह किलोग्राम तक घट जाता है।



हार्मोन पर असर

ब्रेकअप के बाद एड्रिनल ग्लैंड कॉर्टिसोल हार्मोन और एंड्रोलॉइन के बाहर मंथन करना शुरू कर देता है, जिसके चलते शरीर तनाव की प्रतिक्रिया करता है, लेकिन तनाव हार्मोन का स्तर इस बात पर निर्भर करता है कि ब्रेकअप कितना बुरा था। जब आपका शरीर इस प्रतिक्रिया में प्रवेश करता है तो एंड्रोलॉइन ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है और हृदयगति और सांसों की गति बढ़ने लगती है।

टाईम पास

आज का राशिफल



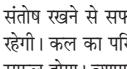
चू ये चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अग्र साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बढ़हाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-5-6-7



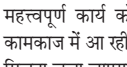
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बढ़हाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8



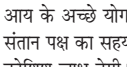
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संचल हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपको संधि से लाभ प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7



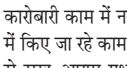
टो पा पी पूष ण ठ पे पो

राजकीय कार्यों से लाभ। वैयक्तिक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का परचापण होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुख रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9



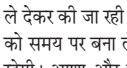
रा टी ठ रे रो ता ती तू ते

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7



ये यो गा भी नू धा फा डा ने

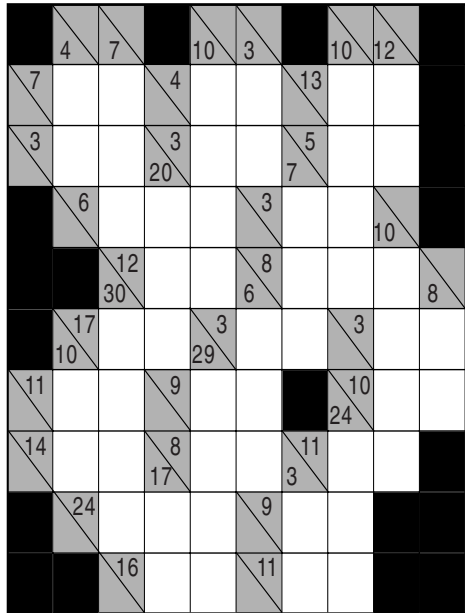
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6



गू गो गो सा ली सू से सो दा

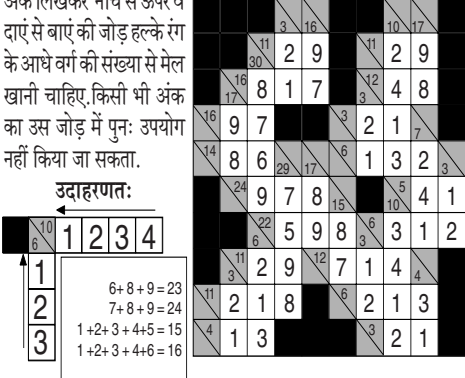
ले देकर को जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 2619

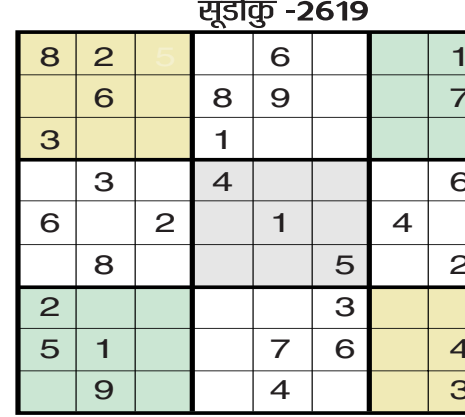


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाए से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

काकुरो - 2618 का हल



सूडोकु -2619



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -2618 का हल								
8	6	4	2	7	9	5	3	1
2	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	3	4	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

लॉफिंग जॉन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शराहत भरे अंदाज में कहा- ‘डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।’

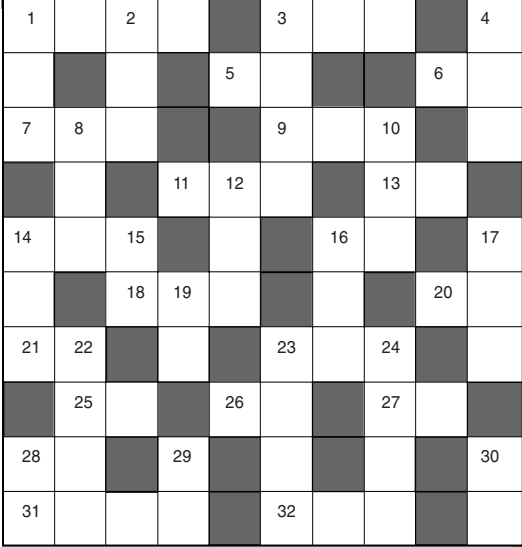
चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

रमन- ‘यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।’

चमन- ‘फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?’

रमन- ‘नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।’

फिल्म वर्ग पहेली - 2619



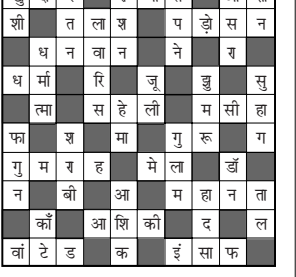
१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली शाहरुख, जुही की फिल्म-२,२
२. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
३. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
४. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरो तु चली' गीत वाली फिल्म-२
५. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
६. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
७. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
८. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१०. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१२. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१४. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१५. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१६. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१७. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१८. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२०. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२१. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२२. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२३. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२४. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२५. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२६. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२७. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२८. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
३०. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३

बायें से दायें:-

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
५. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
६. 'रवली की पहली हिंदी फिल्म-२
७. 'साधिया बिना तेरे' गीत वाली सनी, तन्वी, शिल्पा की फिल्म-३
८. 'विवशजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
९. 'लंबी जुद्ध' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुश' गीत वाली फिल्म-२
११. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१८. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
३०. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 2618



१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली शाहरुख, जुही की फिल्म-२,२
२. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
३. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
४. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरो तु चली' गीत वाली फिल्म-२
५. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
६. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
७. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
८. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१०. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१२. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१४. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१५. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१६. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१७. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१८. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२०. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२१. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२२. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२३. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२४. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२५. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२६. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२७. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२८. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
२९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
३०. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३

बाएँ से दाएँ

१. बेजोड़-४
२. परिचय, निशान-४
३. कला-३
४. सज्जनात, चरित्र, आदर्श-३
५. प्रथा, रिवाज-३
६. उपस्थिति-३
७. सेन्धमार-५
८. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-३,२
९. तड़के, सुबह सवेरे-५
१०. चुगली करना-२,३
११. मैला, गंदा-३
१२. रसद, आहर पदार्थ-३
१३. प्रणाम, नमस्कार-३
१४. तोलने का यंत्र, तकड़ी-३
१५. स्थायी, प्राचीन-४
१६. हकूमत, राजादी-४

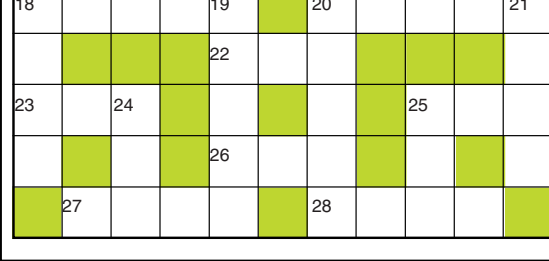
ऊपर से नीचे

१. बेजोड़-४
२. परिचय, निशान-४
३. कला-३
४. सज्जनात, चरित्र, आदर्श-३
५. प्रथा, रिवाज-३
६. उपस्थिति-३
७. सेन्धमार-५
८. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-३,२
९. तड़के, सुबह सवेरे-५
१०. चुगली करना-२,३
११. मैला, गंदा-३
१२. रसद, आहर पदार्थ-३
१३. प्रणाम, नमस्कार-३
१४. तोलने का यंत्र, तकड़ी-३
१५. स्थायी, प्राचीन-४
१६. हकूमत, राजादी-४

25. सम्मान, पगड़ी-३

१. बेजोड़-४
२. परिचय, निशान-४
३. कला-३
४. सज्जनात, चरित्र, आदर्श-३
५. प्रथा, रिवाज-३
६. उपस्थिति-३
७. सेन्धमार-५
८. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-३,२
९. तड़के, सुबह सवेरे-५
१०. चुगली करना-२,३
११. मैला, गंदा-३
१२. रसद, आहर पदार्थ-३
१३. प्रणाम, नमस्कार-३
१४. तोलने का यंत्र, तकड़ी-३
१५. स्थायी, प्राचीन-४
१६. हकूमत, राजादी-४

शब्द पहेली - 2619



बाएँ से दाएँ

१. बेजोड़-४
२. परिचय, निशान-४
३. कला-३
४. सज्जनात, चरित्र, आदर्श-३
५. प्रथा, रिवाज-३
६. उपस्थिति-३
७. सेन्धमार-५
८. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-३,२
९. तड़के, सुबह सवेरे-५
१०. चुगली करना-२,३
११. मैला, गंदा-३
१२. रसद, आहर पदार्थ-३
१३. प्रणाम, नमस्कार-३
१४. तोलने का यंत्र, तकड़ी-३
१५. स्थायी, प्राचीन-४
१६. हकूमत, राजादी-४

ऊपर से नीचे

१. बेजोड़-४
२. परिचय, निशान-४
३. कला-३
४. सज्जनात, चरित्र, आदर्श-३
५. प्रथा, रिवाज-३
६. उपस्थिति-३
७. सेन्धमार-५
८. श

प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के दौरान मां कात्यायनी की पूजा की

एजेंसी नई दिल्ली।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवरात्रि में षष्ठी के पावन अवसर पर मां कात्यायनी की पूजा की। प्रधानमंत्री ने कामना की कि मां कात्यायनी के आशीर्वाद से सभी का जीवन असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहे। श्री मोदी ने एक्स पर लिखा; ‘नवरात्रि की पवित्र षष्ठी पर मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन! मेरी कामना है कि उनकी अनुकंपा से हर किसी के जीवन में असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। ’

प्रधानमंत्री ने मां जगदाम्बिका की सभी रूपों में दिव्य उपस्थिति का गुणगान करते हुए संस्कृत सुभाषितम् साझा किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मां जगदाम्बिका का गुणगान करते हुए और सभी शब्दों, विचारों एवं रूपों में उनकी दिव्य उपस्थिति पर प्रकाश डालते हुए एक संस्कृत सुभाषितम साझा किया। यह श्लोक बताता है कि प्रत्येक शब्द देवी की स्तुति की अभिव्यक्ति बन सकता है, क्योंकि उनके दिव्य स्वरूप में सभी शब्द और सभी अभिव्यक्तियाँ समाहित हैं।

श्री मोदी ने एक्स पर एक संस्कृत सुभाषितम् साझा किया; ‘तव च का किल न स्तुतिर्यम्बके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः। निखिलमूर्तिषु मे भवदन्वयो मनसिजासु बहिःप्रसारसु च॥’

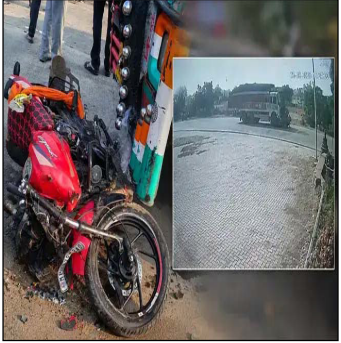
किश्तवाड़ में लापता एसपीओ बशीर अहमद घर के पास मृत मिले, सर्विस राइफल बरामद

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) बशीर अहमद आज सुबह अपने घर के पास मृत मिले। इस दौरान उनकी सर्विस राइफल एसथलआर बरामद कर ली गई है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 55 वर्षीय बशीर अहमद अपनी सर्विस राइफल और एक मैगजीन के साथ वीरवार रात लापता हो गए थे। वनीपोरा त्रिगाम के मूसआर के पुत्र बशीर 2025 से पेंडिल पोस्ट पर तैनात थे। पुलिस और सुरक्षा बलों ने उनके लापता होने की सूचना के बाद बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार वह सुबह करीब 7 बजे अपनी ड्यूटी पोस्ट से घर जाने के लिए निकले थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। बशीर अहमद की पत्नी ने बताया कि जब वह तय समय पर घर नहीं लौटे तो वह घबराकर पुलिस पोस्ट पहुंचीं और इसकी सूचना दी। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

जलगांव में सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के जामनेर-बोडवाड रोड पर मालदाभाडी फाटा के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक गुरुवार शाम को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे और तीन महीने का एक शिशु भी शामिल है। जामनेर पुलिस स्टेशन की टीम ने पेट्रोल पंप से सीसीटीवी फुटेज हासिल कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में मृतकों की पहचान रामा सुरशिंग भिलाले (26), उनकी पत्नी शिमला रामा भिलाले (22), पूजा (5), भारती (3), श्रवण (3 महीने) और चंपलाल रेवनसिंग भिलाले (28) के रूप में हुई है। सभी मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के मालची टांडा के निवासी थे और खेतिहर मजदूर के रूप में काम करते थे। हादसे के बाद

सभी मृतकों के शव जामनेर ग्रामीण अस्पताल ले जाए गए। घटना की खबर फैलते ही अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने घटनास्थल के पास स्थित एचपी पेट्रोल पंप से सीसीटीवी फुटेज हासिल कर ली है। ट्रक और उनके चालक को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया है। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।



अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव में यूनेस्को धरोहर खोन और कुटियाट्टम में जीवंत हुई रामकथा

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में संस्कृति विभाग और श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास द्वारा आयोजित सात दिवसीय ‘अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव’ के चौथे दिन गुरुवार की शाम दर्शकों को भारत और थाईलैंड की समृद्ध नाट्य परंपराओं के माध्यम से श्रीरामकथा के विविध प्रसंग देखने को मिले। इस अवसर पर यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल थाईलैंड के ‘श्री रामाकेन दल’ ने पारंपरिक मुखौटों और मुद्राओं के साथ रामाकिन पर आधारित मारीच-प्रसंग, सीता-हरण तथा राम-रावण युद्ध का जीवंत मंचन किया। केरल की दो हजार वर्ष पुरानी शास्त्रीय परंपरा ‘कुटियाट्टम’ शैली में शक्तिभद्र-रचित संस्कृत

नाटक ‘आश्चर्यचूड़ामणि’ के चतुर्थ अंक ‘जटायुवधम्’ की सशक्त प्रस्तुति दी गई। अंतरराष्ट्रीय



रामलाली उत्सव में रवींद्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर गुरुवार की शाम कुटियाट्टम केंद्र (केरलम) और ‘नेपथ्य’ संस्था के कलाकारों ने रावण-जटायु संवाद, युद्ध और जटायु के सर्वोच्च बलिदान के मार्मिक दृश्य को पारंपरिक मुद्राओं और भावपूर्ण अभिनय से साकार किया। मंच पर

विकास का लाम देश के प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक पहुंचाने में स्वयं सहायता समूह और सरस मेले अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं: राष्ट्रपति

एजेंसी विजयवाड़ा। भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित ‘राष्ट्रीय सरस मेले’ में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर सरस

स्टॉलों को भी देखा और लखपति दीदियों के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रहती है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें वित्तीय, तकनीकी और सामाजिक सशक्तीकरण की एक नई दिशा मिली है। उन्हें यह जानकारी प्रसन्नता हुई कि महिला उद्यमशीलता में उत्साहजनक वृद्धि के साथ ही आर्थिक निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के समतापरक और समावेशी विकास के लिए आवश्यक है। राष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि महिला स्वयं

सहायता समूहों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्रभावी तरीके से योगदान दिया है। विगत 12 वर्षों में



इन समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या बढ़कर 10 करोड़ से अधिक हो गई है। ये महिलाएं 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी

आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में सार्थक योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि भागीदारी की यह प्रक्रिया महिला केंद्रित, समावेशी ग्राम विकास को

उपराष्ट्रपति ने कौमारकॉन-2026 का उद्घाटन किया और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की डिजिटल पहलों का शुभारंभ किया

‘अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को एक्स के समकक्ष विकसित करने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार किया जा रहा है ‘: उपराष्ट्रपति

एजेंसी नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आयुर्वेद में व्यापक वैज्ञानिक अनुसंधान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल पद्धतियों की प्रभावकारिता स्थापित करने, रोगियों का विश्वास मजबूत करने और भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों



दिशा में आगे बढ़ रहा है। एआईआईए के 10वें स्थापना दिवस पर उसे बधाई देते हुए उन्होंने संस्थान की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करने के लिए अनुसंधान, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में

और सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं में निहित एक अमूल्य विरासत है। उन्होंने वर्ष 2014 में आयुष मंत्रालय के गठन तथा शिक्षा को सुदृढ़ करने, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए

निरंतर प्रयासों के महत्व पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ देश की सभ्यतागत प्रज्ञा

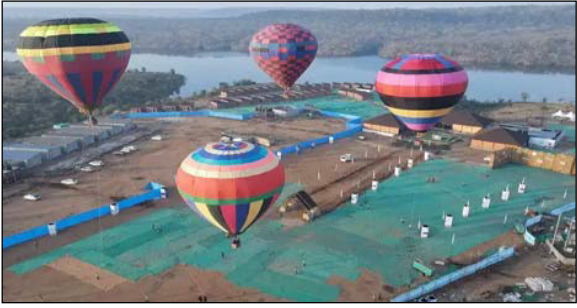
मंत्रालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने आयुष मंत्रालय और आईसीएमआर, सीएसआईआर, डीबीटी, डीएसटी तथा एम्स जैसे संस्थानों के बीच किए जा रहे अंतर्विषयक सहयोग का भी उल्लेख किया। प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में आयुष सेवाओं के एकीकरण का जिक्र करते हुए श्री सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि ऐसी पहलें पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों और आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के बीच संवाद एवं सहयोग के अवसर सृजित करती हैं। उन्होंने योग को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता और जामनगर में डब्ल्यूएचओ के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना को भारत के पारंपरिक ज्ञान को विश्व के साथ साझा करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

मप्र में गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के पांचवे संस्करण का भव्य शुभारंभ

ऑल सीजन टेंट सिटी के साथ रोमांचक साहसिक गतिविधियों का मिलेगा आनंद

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गांधीसागर जलाशय के सुरुष्य बैकवाटर पर ऑल सीजन टेंट सिटी के साथ जल, नभ और थल पर आधारित साहसिक गतिविधियों का प्रमुख आकर्षक गंतव्य ‘गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट’ के पांचवें संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। विधायक चंदर सिंह सिसोदिया और कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने रिट्रीट का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर बताया गया कि एमपी टूरिज्म बोर्ड और लल्लूजी एंड सन्स एवं इवोक

कैंपिंग के सहयोग से आयोजित यह रिट्रीट पर्यटकों को चंबल के



साहसिक और रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेगें। पर्यटक स्पीड

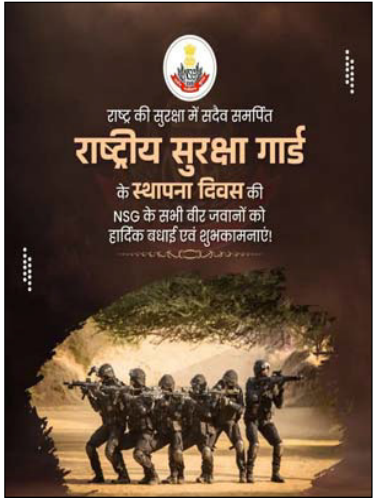
शांत जल विस्तार और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच रोमांच और सुकून का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। रिट्रीट में पर्यटक हाई रोप, जिपलाइन, एटीबी राइड, साइकलिंग, डुओ साइकिल, एयरगन शूटिंग और पैरामोटिंग जैसी

बोट, जेट स्कीइंग, बनाना बोट, ड्रैगन बोट और कयाकिंग का भी रोमांच ले सकेगें। इसके अतिरिक्त जंगल सफारी, नाइट वॉक, स्टार गेजिंग, बोट सफारी, बोट स्पा, योग एवं वेलनेस सत्र तथा इनडोर खेलों की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

ओम बिरला, शाह व अन्य ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्थापना दिवस पर जवानों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के स्थापना दिवस पर जवानों को शुभकामनाएं दीं। ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्थापना दिवस पर देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले जाँबाज कमांडोज का अभिवादन। आतंकवाद और गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए गठित इस विशिष्ट बल ने अदम्य साहस, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और असाधारण दक्षता से अपनी पहचान बनाई है। आतंकवाद-रोधी अभियानों से लेकर उच्च जोखिम वाले सुरक्षा दायित्वों तक, उनकी तत्परता, सटीक रणनीति और टीमवर्क उन्हें देश की सुरक्षा क्षमताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं। ‘सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा’ के ध्येय के साथ राष्ट्र की रक्षा में जुटे एनएसजी के सभी जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ। अमित शाह ने कहा कि एनएसजी के योद्धाओं ने भारत के सामने

आए हर आतंकी खतरे को तूफानी तेवर के साथ नेस्टनाबूद किया है और अटूट साहस,



बेहतरीन पेशेवर क्षमता तथा वीरतापूर्ण बलिदानों के जरिए देश की रक्षा की है। संसदीय मामलों के मंत्री किरन रिजिजू ने कहा

शक्ति प्रदान कर रही है और इससे सामूहिक उद्यम के अवसरों का व्यापक विस्तार भी हुआ है। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की, कि महिला स्वयं सहायता समूह सामुदायिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और ये समूह ग्रामीण जीवन के समग्र परिवर्तन और देश के समावेशी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने ‘लखपति दीदी’ पहल की शुरुआत करके ग्रामीण महिला सशक्तीकरण को एक विशिष्ट गति और दिशा दी है। डिजिटल सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे अनेक आधुनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी से ग्रामीण

महिलाओं के कौशल विकास के नए आयाम मिले हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि आज ग्रामीण महिलाएं योजनाओं की मात्र लाभार्थी भर नहीं हैं। वे वेल्थ क्रिएटर्स बनी हैं और विकास की वाहक बन रही हैं। फिर भी, सशक्तीकरण की इस यात्रा में हमें अभी लंबा सफर तय करना है। सशक्तीकरण का एक मुख्य पैमाना यह भी होना चाहिए कि ग्रामीण महिलाओं का अपनी आय और संपत्ति पर कितना अधिकार बढ़ा है। साथ ही, घरेलू देखभाल के दायित्वों में सहयोगी सामुदायिक व्यवस्थाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। जलवायु अनुकूल उद्यमों में भी ग्रामीण महिलाओं को सहभागिता बढ़नी चाहिए।

उप राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता सेनानी वीरापांड्या कट्टाबोम्मन की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी वीरापांड्या कट्टाबोम्मन की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, वीरापांड्या कट्टाबोम्मन ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के सामने झुकने से इनकार कर दिया और निडर होकर उसका विरोध किया। उनकी वीरता, बलिदान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी है। गुलामी की बेड़ियों को टुकराने वाले और देशभक्ति के जज्बे तथा दृढ़ संकल्प के साथ अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ने वाले वीरापांड्य कट्टाबोम्मन का वीरतापूर्ण जीवन, आने वाली पीढ़ियों तक लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा।

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

पैनिक अटैक में होंट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंजायटी में दिल की धड़कन तेज हो

जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंट कसकर एक तरफ खिंच जाता था। चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।'

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना

पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपना आसान नहीं होता। चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।



संक्षिप्त

समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई
गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूँ कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशनल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन
विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनीसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया। रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया। विनीसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दोहरे समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनीसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया। विनीसियस 18 अक्टूबर को सोविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतादेरे और वेलेसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

एशियन पैरा गेम्स

भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को दक्षिण कोरिया ने 2-0 से हराया

नागोया। (एजेंसी)। एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआत को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। टीम की नजरें अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होगी। इस प्रतियोगिता में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ईरान तथा थाईलैंड की टीमों भी हिस्सा ले रही हैं।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास

मजबूत किया है। भारतीय टीम की कप्तान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतियोगिता देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बड़े बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेले गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखा होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1) संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का



रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवर्स को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।

2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एफ1 की वापसी के लिए सरकार और

लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

अदाणी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत - रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर,

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। 'मुझे लगता है कि पिचों की और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।'

यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पोस्ट के जरिए कही।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटरों पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले

भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बॉलिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूँ कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल

उठाए थे - 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।



भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभाव इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप - अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटकें हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटकें थे। भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।



तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्कॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 136 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।'

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म डू पोस्ट में अपनी बात रखी।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलिंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं।

सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'



सलमान ने अभिनेत्रियों की गलत तस्वीरें खिंचने पर दी बड़े एक्शन की चेतावनी

अभिनेत्रियों की बिना सहमति के गलत और अनुचित एंगल से तस्वीरें लेने वाले पैपराजी के खिलाफ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। सलमान ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि बार-बार मना करने के बावजूद ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतें जारी रखने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी इस तरह के व्यवहार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने के लिए सलमान खान का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान, नेहा धूपिया ने विशेष रूप से अभिनेत्रियों की तस्वीरें पीछे से या ऐसे असहज करने वाले एंगल से खींचने की बढती प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाए। इस पर सलमान ने साफ तौर पर कहा कि पहले कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, कुछ पैपराजी के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस संवेदनशील मामले को सिर्फ एक मजाक समझ रहे हैं और ऐसी तस्वीरें लेना लगातार जारी रखे हुए हैं। सलमान ने दृढ़ता से घोषणा की कि अब वह इस पूरे मुद्दे पर एक बहुत बड़ा कदम उठाएंगे। सलमान ने यह भी बताया कि कुछ बड़े मीडिया प्लेटफॉर्म भी बिना सोचे-समझे इस तरह की आपत्तिजनक तस्वीरें प्रकाशित करते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। उनके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और निजता का सम्मान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई अभिनेत्री ऐसी तस्वीरों को लेकर स्पष्ट रूप से आपत्ति जताती है, तो उसकी बात को गंभीरता से लेना और उसका सम्मान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नेहा धूपिया से कहा कि अगर मना करने के बाद भी कोई इस तरह की हरकत करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बातचीत के दौरान सलमान ने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि कुछ अभिनेता और अभिनेत्रियां खुद ही पैपराजी को बुलाते हैं और अपने प्रचार के लिए खास तरह की तस्वीरें खिंचवाते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई कलाकार अपनी इच्छा से इस तरह की तस्वीरें खिंचवाना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। लेकिन जिन लोगों को ऐसी तस्वीरें पसंद नहीं हैं या जो अपनी निजता का सम्मान चाहते हैं, उनकी सहमति और व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करना हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब सलमान खान ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की हो। सितंबर 2026 में भी, बिग बॉस के एक पिछले एपिसोड के दौरान, उन्होंने पैपराजी की तस्वीरें लेने की शैली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने उस समय भी पूछा था कि महिला कलाकारों की तस्वीरें लेते समय कैमरों को उनके शरीर के खास हिस्सों पर केंद्रित करने की जरूरत क्यों पड़ती है।

आवारापन 2 अब प्राइम वीडियो पर

अगर आप अभिनेता इमरान हाशमी की हिट फिल्म आवारापन 2 को थिएटर में नहीं देख पाए थे और घर बैठे इसका मजा लेने का इंतजार कर रहे थे, तो आपके लिए अच्छी खबर है। यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित आवारापन 2 में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, पूरन गब्बी, विजयंत कोहली और सुविंदर विक्री भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म अगस्त 2026 में रिलीज हुई थी और इमरान हाशमी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इमरान हाशमी ने आवारापन 2 को एक दुर्लभ घटना कहा, क्योंकि इसे पिछली फिल्म के सीकल के तौर पर पेश किया गया था, पिछली फिल्म लगभग 20 साल पहले रिलीज हुई थी लेकिन थिएटर में दर्शकों को नहीं मिल पाई थी। इमरान हाशमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं, और कुछ ऐसी होती हैं जिनका हिस्सा होने पर आपको सचमुच गर्व होता है। आवारापन 2 दूसरी श्रेणी में आती है।



छह साल बाद फिर अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार बिपाशा बसु

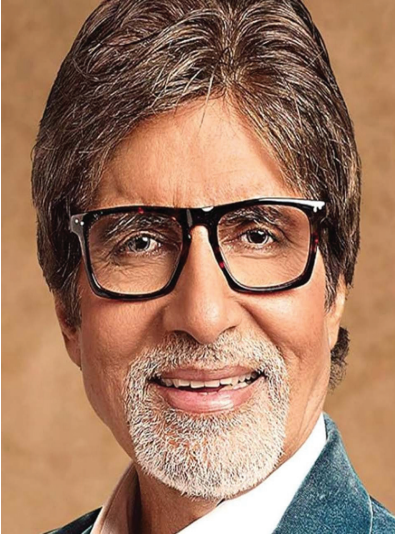
बिपाशा बसु ब्रिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेटली भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कथ्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडर्शंस' के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महादीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं।

सोशल मीडिया को लेकर बदल गया हमारा नजरिया: अमिताभ बच्चन

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों को लेकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना अनुभव साझा किया है। महानायक ने बताया कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का माध्यम मानते थे, लेकिन पोस्ट पर आने वाली टिप्पणियां पढ़ने के बाद उनका नजरिया बदल गया। सोशल मीडिया पर अब वह पहले की तुलना में कम लिखते हैं। यह बात उन्होंने लोकप्रिय किज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दौरान कही। शो में पहुंचे प्रतियोगी विनम्र ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर आलोचना और नकारात्मकता का सामना कैसे करते हैं। विनम्र ने कहा कि उनकी पीढ़ी के कई लोगों के लिए आलोचनाओं को संभालना मुश्किल होता है। इस पर अमिताभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के शुरुआती दिनों में

उन्हें लगता था कि यहां बिना किसी झिझक के दिल की बात कही जा सकती है। हालांकि, जब उन्होंने अपनी पोस्ट पर आने वाले कमेंट पढ़ने शुरू किए, तो उन्हें कई तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां देखने को मिलीं। अमिताभ ने कहा कि उनकी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उम्र और व्यक्तित्व को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस तरह की टिप्पणियों को देखकर उन्हें अजीब लगता था। उन्होंने बताया कि लगातार ऐसी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखना कम कर दिया। अभिनेता ने अपने अनुभव को हल्के-फूल्के अंदाज में साझा करते हुए कहा कि जब से उन्होंने कम लिखना शुरू किया है, उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती चली गई है। अमिताभ की इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद दर्शक हंसने लगे।

उनकी बात ने सोशल मीडिया के उस पहलू की ओर ध्यान खींचा, जहां किसी व्यक्ति को अपने विचार साझा करने की स्वतंत्रता तो मिलती है, लेकिन उसे अपमानजनक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अमिताभ बच्चन लंबे समय से डिजिटल मंचों पर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अपना व्यक्तिगत ब्लॉग लिखना शुरू किया था। इसके बाद विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े रहे। वह समय-समय पर अपने काम, अनुभवों और विचारों से संबंधित पोस्ट साझा करते रहे हैं। उनका ताजा अनुभव बताता है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के बावजूद नकारात्मक टिप्पणियां किसी को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे माहौल में अपनी प्रतिक्रिया सीमित रखना भी एक विकल्प हो सकता है।



गोविंदा-करिश्मा के बीच कोई रिश्ता होता तो जानकारी मिलती: सोमी अली

1990 के दशक के दौरान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच रिश्ते को लेकर चर्चाएं भी हुई थीं, लेकिन उनके कथित अफेयर की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया। इस मामले पर अब अभिनेत्री सोमी अली ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्होंने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी थी। एक बातचीत में सोमी अली ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में रहते हुए भी उन्हें गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच किसी प्रेम संबंध की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने करिश्मा कपूर का जिक्र उनके लोकप्रिय उपनाम 'लोलो' और गोविंदा का जिक्र 'चिची' नाम से करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों के अफेयर की चर्चा एक बार भी नहीं सुनी। सोमी अली ने बातचीत के दौरान सलमान खान और करिश्मा कपूर की दोस्ती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों कलाकारों ने कई



फिल्मों में साथ काम किया है और उनके बीच अच्छी दोस्ती रही है। इसके बावजूद उन्होंने कभी उनके कथित अफेयर की अफवाह भी नहीं सुनी। सोमी के मुताबिक, उस समय वह खुद भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें गोविंदा और करिश्मा के रिश्ते को लेकर कोई ऐसी जानकारी नहीं मिली थी, जिससे इन चर्चाओं की पुष्टि हो सके। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी जिंदगी या रिश्तों पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करतीं। उनके अनुसार, किसी व्यक्ति का किसी के साथ रिश्ते में रहने का फैसला उसकी व्यक्तिगत पसंद है। ऐसे मामलों में दूसरों को किसी के निर्णय पर सवाल उठाने या उसे सही-गलत ठहराने का अधिकार नहीं होना चाहिए। सोमी अली ने कहा कि वह उस दौर में फिल्म जगत में मौजूद थीं। यदि गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच वास्तव में कोई रिश्ता होता, तो संभव है कि उन्हें इसकी जानकारी मिलती। हालांकि, उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वह अपनी जिंदगी और अनुभवों को समझने में व्यस्त थीं। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी लोकप्रिय जोड़ी के कारण उनके निजी रिश्तों को लेकर अटकलें लगाई जाती रही थीं।

कैंसर रोग जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना: सोनाली बेंद्रे

अपने अनुभव को इस तरह के शब्दों में व्यक्त करना सही नहीं होगा। सोनाली के मुताबिक, बीमारी के दौरान उन्होंने जिंदगी और अपने शरीर को देखने का नजरिया बदला। उन्होंने कहा कि इस अनुभव से उन्हें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलीं। वह इसे किसी मुकाबले के बजाय आत्मसमझ और सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखती हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी बीमारी को जंग और जीत जैसे शब्दों से जोड़ने पर ऐसा महसूस हो सकता है, मानो व्यक्ति अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ रहा हो। उन्होंने कहा कि शरीर के भीतर मौजूद कोशिकाएं भी उसी शरीर का हिस्सा हैं। ऐसे में बीमारी से जुड़े अनुभव को केवल लड़ाई के रूप में देखना उन्हें उचित नहीं लगता। सोनाली की बात का मुख्य भाव यह था कि बीमारी से गुजरने वाले हर व्यक्ति का अनुभव अलग होता है। किसी के लिए संघर्ष की भाषा प्रेरणा देने वाली हो सकती है, जबकि कोई दूसरा व्यक्ति अपने अनुभव को समझने और उससे सीखने पर अधिक ध्यान दे सकता है। सोनाली ने अपने दृष्टिकोण को व्यक्तिगत अनुभव के रूप में साझा किया और बताया कि इस कठिन दौर ने उन्हें अपने शरीर के प्रति अधिक समझ विकसित करने का अवसर दिया।



रणदीप हुड्डा: शोहरत के पीछे छिपी चुनौतियां

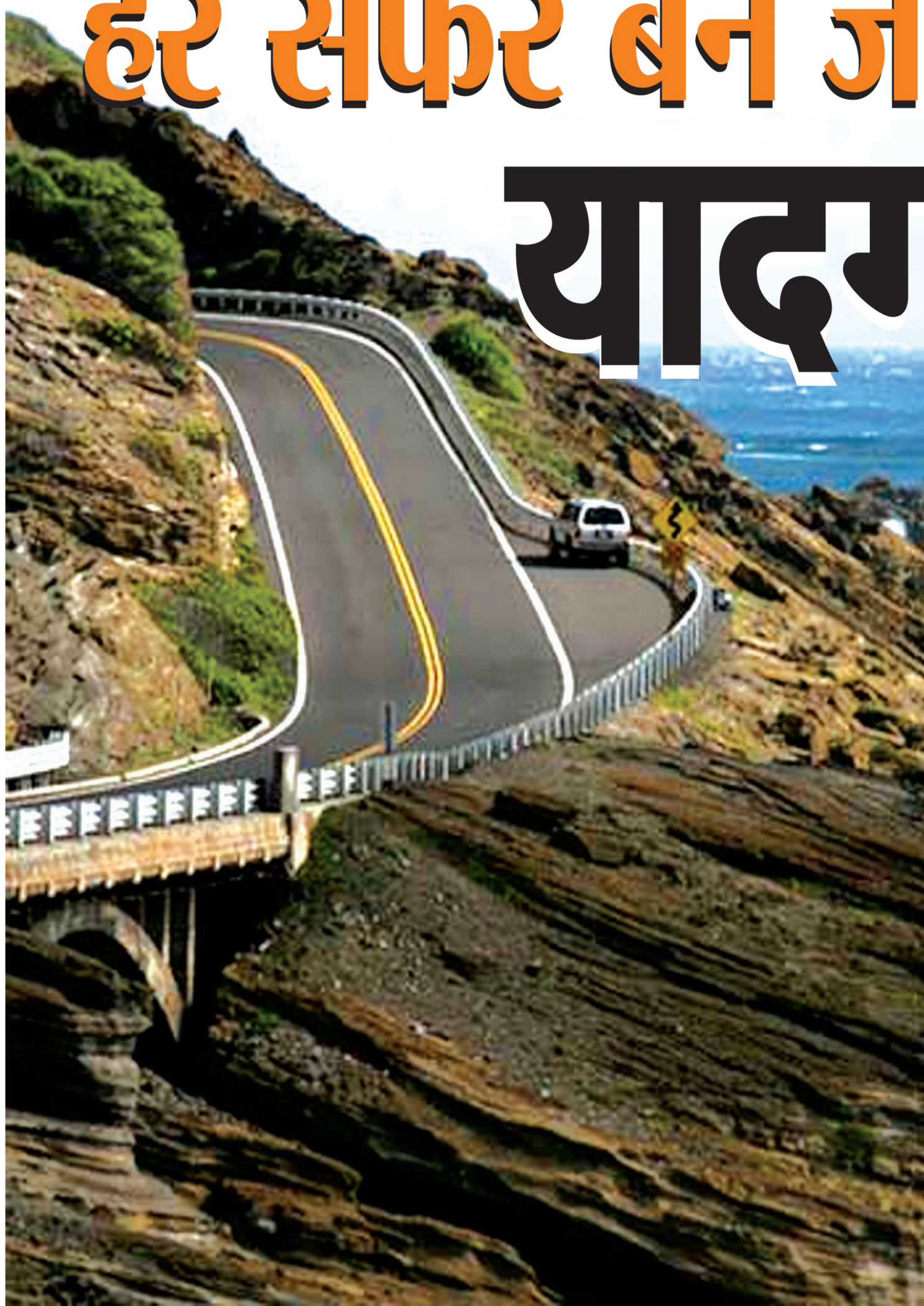
रणदीप हुड्डा अपनी दमदार अदाकारी और किरदारों के लिए की जाने वाली गहन मेहनत के लिए जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों को लगातार काम का दबाव, व्यस्त शूटिंग शेड्यूल, सार्वजनिक जांच और लोगों की बेहिसाब उम्मीदों का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। रणदीप का नाम मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में सामने आने के साथ एक व्यापक सवाल पर ध्यान जाता है क्या पेशेवर सफलता किसी व्यक्ति को निजी परेशानियों से बचा सकती है? दरअसल, किसी का बाहरी रूप से सफल और मजबूत दिखाई देना यह साबित नहीं करता कि वह भीतर से भी पूरी तरह ठीक है। अभिनेताओं को अक्सर अपने किरदारों में गहराई से उतरना पड़ता है, जिससे वे भावनात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रणदीप जैसे कलाकार, जो अपने काम के प्रति अत्यधिक समर्पित हैं, उन्हें अक्सर इन आंतरिक संघर्षों से जूझना पड़ता है।

गोंधल को मिलेगी ग्लोबल पहचान

देशभर में खूब तारीफें बटोरने और 99वें अकादमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फ़िल्म कैटेगरी के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुने जाने के बाद, मराठी ड्रामा गोंधल अब दुनियाभर में अपनी पहुंच बनाने जा रहा है। पैन-इंडिया पावरहाउस कंपनी होम्बले फिल्मस ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म के ओवरसीज थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान अपने हाथों में ले ली है, ताकि इसे दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। संतोष दावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म गोंधल, एक बेहद इंटेंस मराठी फोक-थ्रिलर है। इस फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें किशोर कदम, इशिता देशमुख, योगेश सोहोनी और निषाद भोंईर जैसे बेहद टैलेंटेड एक्टरस अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी दमदार कहानी, असली लगने वाले कच्करल बैकग्राउंड और कमाल की विजुअल डेय्थ के लिए फिल्म लवर्स के बीच यह फिल्म अपनी एक अलग जगह रखती है। होम्बले फिल्मस के इस कदम से भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिलेगी।



हर सफर बन जाएगा यादगार



सफर करने के बारे में सबसे मजेदार बात है, हर कदम पर किसी नई खोज

का रोमांच। फिर चाहे वह किसी बच्चे द्वारा ट्रेन की खिड़की से पहली बार खुले में ऊँटों को चरते देखने का रोमांच हो या फिर पहली-पहली बार किसी अजनबी देश में कदम रखने पर नजर आने वाली एक अलग दुनिया का रोमांच।

यूँ इंसान अपने घर, अपने जाने-पहचाने माहौल के सुरक्षा कवच में सबसे सहज महसूस करता है, लेकिन नएपन की लालसा भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। कुछ नया देखने की लालसा ही उसे दुनिया घुमा लाती है।

कभी आदिमानव कुछ नया तलाशने के लिए एक जंगल से दूसरे जंगल जाता था। आज उसका वंशज

महासागर की गहराइयों में गोता लगा चुका है और अंतरिक्ष के निर्वात अंधकार में चहल-कदमी कर चुका है। इन दो विपरीत छोरों के बीच आम मानव रोज कई प्रकार के छोटे-बड़े सफर करता रहता है।

जरूरी नहीं कि यात्रा कहीं दूर की हो, बोरिया-बिस्तर बाँधकर रेल, बस, जहाज या विमान से की जाए। अपने ही शहर में, कभी उन रास्तों-गलियों से निकलिए, जहाँ से आपका अब तक गुजरना नहीं हुआ है। कुछ नया दिखेगा, कोई



पर पहुँचने की जल्दी होती है, न घर लौट आने की चिंता।

आप यह तय करके घर तो नहीं बैठ सकते कि कोई अच्छा अनुभव हो तो ही बाहर निकलूँ। जीवन के प्रवाह में छलाँग लगाने पर ही पता चलता है कि कब कौन-सा अनुभव अच्छा रहा और कब कौन-सा बुरा। छोटी-मोटी परेशानियाँ सफर का हिस्सा ही होती हैं। जब दुनिया को देखने, जानने निकले हैं तो इसके दोनों रूप देखने में ही तो यात्रा की परिपूर्णा होगी।

सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है।

हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।

सर्दियों का स्वागत करता उत्तराखंड

बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुडगाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी बर्फ पर्यटकों को कम लगे तो वे नैनीताल शहर के

ऊपर खो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलवरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगरंग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्टारों पर जाते हैं।

मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौली तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

यहाँ 2010 के जनवरी-फरवरी में शीतकालीन सैफ खेलों का आयोजन होना है। औली में स्कीइंग के 7 दिवसीय, 14 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए तथा पर्यटकों

के लिए एक-दो दिवसीय स्कीइंग करने की सुविधा गढ़वाल मंडल विकास निगम उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों के लिए तो रहने, खाने की सुविधा, उपकरणों, स्की लिफ्ट की उपलब्धता मय शिक्षक 5,500 रुपए में उपलब्ध है। पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चोटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतराष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते हैं कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रुद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरागढ़ मुंयारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए अनगिनत स्थल है। इनमें से कई स्थल तो अभी पर्यटक मानचित्र पर आ भी नहीं पाए हैं। स्थली मुखवा में भी जाड़ों में अच्छी-खासी बर्फ पड़ती है।

